04 - राहुल गांधी का हिन्दू धर्म बनाम आरएसएस का हिंदुत्व

05 - सियासी समीकरणों का नया दौर

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 18 जुलाई, 2024

06- आवेदक प्रेमशंकर मिश्रा ने खोली वन विभाग के भ्रष्टाचार की पोल, राज्यपाल...

07- आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर से बेटियों में आत्म-विश्वास बढ़ता है

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 311 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या बंगाल में भाजपा की सियासी पारी हो रही है कमजोर ?

श्रेयसी डे

विगत 10 जुलाई को हुए विधानसभा उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण की सीटें छीन लीं, जबकि मानिकतला सीट पर अपना कब्ज़ा बरकरार रखा। ममता बनर्जी ने इसे 'लोगों की जीत' बताया। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सियासी पारी लगातार कमजोर होती जा रही है, चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों से राज्य में उसकी राजनीतिक ताकत में लगातार गिरावट का संकेत मिलता है।

ममता बनर्जी की अगुआई वाली तृणमूल कांग्रेस ने 10 जुलाई को हुए मतदान में रायगंज, बागदा, राणाघाट दक्षिण और मानिकतला की सभी चार सीटों पर जीत हासिल की। चारों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कांग्रेस ने दोनों सीटों (रायगंज और बागदा) पर अपनी जमानत गंवा दी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने दो सीटों (राणाघाट दक्षिण और मानिकतला) पर अपनी जमानत गंवा दी। 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण सीटें जीतीं, लेकिन उसके तीनों विधायक कृष्ण कल्याणी, विश्वजीत दास और मुकुट मणि अधिकारी अंततः टीएमसी में शामिल हो गए।

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में कृष्ण कल्याणी और मुकुट मणि अधिकारी रायगंज और राणाघाट में भाजपा उम्मीदवारों से हार गए, लेकिन उन्हें विधानसभा उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा गया, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। रायगंज में कृष्ण कल्याणी ने भाजपा के मानस कुमार घोष को 50,077 मतों के अंतर से हराकर विधानसभा सीट पर कब्ज़ा किया।

भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के लोकसभा क्षेत्र में आने वाली मतुआ बहुल सीट बागदा में टीएमसी आठ साल बाद वापसी करने में सफल रही। तृणमूल की मधुपर्णा ठाकुर, जो 25 साल की उम्र में बागदा से विधानसभा के लिए चुनी गई हैं, सदन की सबसे कम उम्र की सदस्य होंगी। वे टीएमसी सांसद ममता बाला ठाकुर की बेटी और शांतना ठाकुर की चचेरी बहन हैं। मधुपर्णा ने भाजपा के बिनय कुमार विश्वास को 33,455 मतों के अंतर से हराकर सीट जीती। राणाघाट दक्षिण में टीएमसी के मुकुट मणि अधिकारी ने मनोज कुमार विश्वास को 39,048 मतों के अंतर से हराया।

इसी तरह, मानिकतला में जहां मौजूदा विधायक और राज्य मंत्री शादान पांडे की मृत्यु के कारण उपचुनाव कराए गए, उनकी विधवा सुप्ती पांडे ने भाजपा के कल्याण चौबे को 62,312 मतों के आरामदायक अंतर से हराया, जिससे वह सीट बरकरार रही जो 2011 से परिवार के पास थी। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक उदयन बंदोपाध्याय के अनुसार, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि विधानसभा उपचुनाव के नतीजों को पश्चिम बंगाल में भाजपा की घटती राजनीतिक ताकत के संकेत के रूप में लिया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'हम लोकसभा चुनाव के नतीजों के 36 दिनों के भीतर हुए उपचुनाव के नतीजे देख रहे हैं। इसलिए, बंगाल की राजनीति में टीएमसी के लिए भावनाओं का बढ़ना कोई असामान्य बात नहीं है। यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि भाजपा का प्रभाव कम हो रहा है। दूसरी ओर, यह तृणमूल के लिए एक तरह से लाभ है क्योंकि वह उसी तरह का राजनीतिक रवैया दिखा रही है जैसा भाजपा को दिखाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीदवार के चयन से लेकर मतुआ भावना तक, तृणमूल नेतृत्व ने एक ही कार्ड को अलग-अलग रंग में खेला है। साथ ही, यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीतिक बयानबाजी और संगठनात्मक व्यवहार के मामले में तृणमूल अभी भाजपा से बहुत आगे है।' पिछले महीने संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा को पश्चिम बंगाल में करारा झटका लगा, जहां उसे केवल 12 सीटें मिलीं - 2019 की तुलना में छह कम- जबकि टीएमसी ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 29 सीटें जीतीं।

लेकिन वोट शेयर भाजपा के लिए थोड़ी राहत लेकर आया। 2019 के आम चुनाव की तुलना में इसका वोट शेयर मात्र 2 प्रतिशत अंक घटकर 38 प्रतिशत रह गया, जबकि टीएमसी का वोट शेयर भी 2 प्रतिशत अंक घटकर 46 प्रतिशत रह गया। राज्य भाजपा नेताओं ने विधानसभा उपचुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारणों के रूप में 'धांधली' और कथित चुनाव संबंधी हिंसा को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के कल्याण चौबे ने कहा, 'चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। धांधली हुई और भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाया गया। इसलिए, हम ये परिणाम देख रहे हैं।'

भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने मीडिया से कहा, 'हम उपचुनाव पूरे मन से नहीं लड़ सके। कुछ मामलों में लोगों को गलत संदेश गया। मतदाताओं को शत्रुतापूर्ण माहौल में मतदान करना पड़ा, जो बागदा और रानाघाट दक्षिण में स्पष्ट था, लेकिन धैर्य रखिए, हम इसे बदल देंगे।' दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने मुंबई की दो दिवसीय यात्रा के बाद राज्य लौटने पर परिणामों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा, 'इस बार जिन चार सीटों पर चुनाव लड़ा जा रहा है, उनमें से तीन पर भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा दोनों में जीत हासिल की है। हमने न केवल अपनी सीट बरकरार रखी है, बल्कि अन्य तीन पर भी जीत हासिल की है। यह टीएमसी के लिए चार में से चार है। हम लोगों का आभार व्यक्त करते हैं। यह लोगों की जीत है।'

इंडिया ब्लॉक के भीतर एकता को मजबूत करने के प्रयास में, उन्होंने यह भी कहा, 'भाजपा दो सीटों को छोड़कर पूरे देश में उपचुनाव हार गई हैज्वे हर जगह हार गए हैं और इस प्रकार पूरे देश में रुझान भी भाजपा के खिलाफ है। यह रुझान बहुत स्पष्ट है। लोगों का जनादेश एनडीए के पक्ष में नहीं बल्कि इंडिया के पक्ष में है। एनडीए में सभी दलों को एक साथ मिलाकर 46 प्रतिशत वोट मिले, जबकि इंडिया गठबंधन दलों को 51 प्रतिशत वोट मिले। जनादेश उनके खिलाफ है।'

राजनीतिक विश्लेषक स्निग्धेंदु भट्टाचार्य के अनुसार, हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी को आमतौर पर उपचुनावों में बढ़त मिलती है, लेकिन 'यह जीत टीएमसी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकसभा चुनाव में हारने वाले दो दलबदलू जीत गए हैं।' उन्होंने कहा, 'ये नतीजे भाजपा के लिए झटका हैं, जिसके लिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

म.प्र. के 5 जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट,भोपाल में झमाझम

● हरदा में बाइक समेत बहा युवक ● मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश से गुजर रही है

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बुधवार को नर्मदापुरम, आगर-मालवा, मंदसौर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में नीमच, मुरैना, ग्वालियर, छतरपुर के खजुराहो और पन्ना में आकाशीय बिजली गिरने या चमकने और मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

इससे पहले हरदा में बुधवार को सुबह 4 घंटे बारिश हुई।देर शाम भोपाल में भी जमकर बारिश हुई। आदमपुर और भैरोपुर में सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। एक युवक बाइक समेत नाले में बह गया। खंडवा में सुबह 9 बजे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बैतूल के मुलताई में करीब 11 बजे आधा घंटे तक पानी गिरा। नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में सुबह 6 बजे से करीब 9:30 बजे तक बारिश हुई। मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इस कारण पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। बारिश से नर्मदा समेत अन्य नदियां भी उफान पर आ रही हैं।

प्रदेश में 21 जून से मानसून ने आमद दी थी, तभी से रुक-रुककर, कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही है।

पूरे प्रदेश में बारिश का अनुमान

नरसिंहपुर, रायसेन के भीमबेटका, सिवनी, बालाघाट, सीहोर, देवास, शाजापुर, बुरहानपुर, विदिशा, सागर, दमोह, शिवपुरी, गुना, टीकमगढ़, श्योपुर, भिंड, दतिया में हल्की गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है।

सतना के चित्रकूट, रीवा, कटनी, जबलपुर, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर के अमरकंटक, उमरिया, शहडोल, भोपाल, बैतूल, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी के बावनगजा, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम के धोलावाड़, धार के मांडू, इंदौर और उज्जैन में भी शाम को मौसम बदल सकता है।

डैम-तालाब में बढ़ रहा पानी

लगातार बारिश होने से प्रदेश के बड़े डैम और तालाब में भी पानी बढ़ रहा है। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में 1659.50 फीट पानी जमा हो गया है। सीहोर के कोलार, शहडोल के बाणसागर, खंडवा के ओंकारेश्वर, जबलपुर के बरगी, नर्मदापुरम के तवा डैम, भोपाल के कलियासोत डैम में भी एक से दो फीट तक पानी बढ़ा है।

एमपी में अब तक 10.6 इंच बारिश

प्रदेश में अब तक एवरेज 10.6 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश से 0.4 इंच कम है। यह औसत से 4 प्रतिशत कम है। पूर्वी हिस्से में अब तक 15 प्रतिशत बारिश कम हुई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में 7 प्रतिशत अधिक है।

सीएम डॉ. मोहन यादव दिल्ली पहुंचे

● नड्डा-शाह से मुलाकात के बाद मंत्रियों को मिल सकते हैं जिलों के प्रभार

रावत का विभाग भी हो सकता है तय

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार सुबह 10 बजे दिल्ली पहुंचे थें। वे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के सीनियर लीडर्स से मुलाकात कर सकते हैं। कैबिनेट गठन के 6 महीने बाद अब मंत्रियों को प्रभार के जिलों की लिस्ट पर भी मुहर लग सकती है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंत्री अपने प्रभार के जिलों में ध्वजारोहण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री को मंगलवार शाम को ही दिल्ली जाना था, लेकिन किसी कारण से दौरा कैंसिल हो गया। सूत्रों की मानें तो मंत्रियों को जिलों का प्रभार देने में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों के साथ ही सीनियरिटी का भी ध्यान रखा जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि प्रभार के जिलों की दूरी इतनी हो कि महीने में तीन से पांच दौरे किए जा सकें।

मंत्री रामनिवास रावत के विभाग पर भी फैसला

विजयपुर से कांग्रेस के टिकट पर छठवीं बार के विधायक रामनिवास रावत 8 जुलाई को मोहन सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। नौ दिन बाद भी रावत को विभाग नहीं दिया जा सका है। दिल्ली में रावत का विभाग भी तय हो सकता है। रावत विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।

सुप्रभात

कंकाल बाहर निकल आये हैं
उन सब धर्मशास्त्रों के,
जिन्हें बड़ी चतुराई से दफना दिया था।
तुम नहीं पहचानते इन कंकालों को,
ये ही दिखाई देते हैं आजकल
बड़े-बड़े शादी-घरों में, धर्म के प्रतिष्ठानों में।
कुछ बोलते नहीं ये,
कंकाल ही तो हैं बेचारे।
लेकिन वे सब काम कर जाते हैं,
जो आप करवाना चाहते हैं।
कंकालों की भीड़ उमड़ रही है,
लोग इन्हें उठा-उठाकर बैठा रहे हैं
स्वर्ण सिंहासन पर,
इनके पाँव पखार रहे हैं
कुबेरों के यूथ के यूथ धरती पर।
अभी ये बने रहेंगे तब तक,
जब तक कोई पत्थर नहीं उछालता,
आकाश में सुराख नहीं होता।

- मुरलीधर चांदनीवाला

उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पीएम को दी खींचतान की रिपोर्ट

सीएम योगी राजभवन पहुंचे, केशव के बगावती तेवर के बाद सियासी हलचल बढ़ी

लखनऊ (एजेंसी)। केशव मौर्य के लगातार बगावती तेवर के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच मौजूदा खींचतान की रिपोर्ट दी।

इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात करने राजभवन पहुंच गए हैं। हालांकि इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। इससे पहले योगी ने यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप-चुनाव को लेकर मंत्रियों के साथ बैठक की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हुए सीटों के तगड़े नुकसान के बाद से ही खींचतान देखी जा रही है। भाजपा और सहयोगी पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। पिछड़ों के सबसे बड़े नेता केशव मौर्य लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वह बार-बार कह रहे हैं कि कार्यकर्ता और संगठन सरकार से बड़ा है।

सीएम योगी की मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक खत्म

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां अपने आवास पर मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक की जिसमें आगामी विधानसभा उपचुनाव और राज्य के कई हिस्सों में आई बाढ़ जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में उप्र के सभी कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री मौजूद थे। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पत्रकारों को बताया कि बाढ़, विकास कार्यों और आगामी चुनावों पर चर्चा हुई। पिछले एक पखवाड़े में राज्य के 17 जिलों के 700 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

आगामी चुनावों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी बैठक : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

मिली जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बैठक विशेष रूप से आगामी चुनावों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी और हम उन सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेंगे जहां उपचुनाव होने हैं। प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों... कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) पर उपचुनाव होने हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के कन्नौज से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद करहल (मैनपुरी) विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

यूजीसी ने जारी किए दिशा-निर्देश

कॉलेज कैंटीन में नहीं मिलेंगे समोसा कचौरी जैसे अनहेल्दी फूड आइट्म्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के कॉलेजों में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ते हैं। ऐसे में छात्रों की सुविधा के लिए कॉलेजों में कैंटीन भी खुली रहती है। अगर आप भी कॉलेज कैंटीन से खाना खाते हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है। दरअसल, यूजीसी ने हाल ही में विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों की कैंटीन में मिलने वाले खाने को लेकर एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में अनहेल्दी फूड आइट्म्स की बिक्री बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस नोटिस के बाद, जल्द ही आपको अपने कॉलेड की कैंटीन में समोसा, नूडल्स, ब्रेड पकौड़ा आदि जैसे कई अनहेल्दी फूड आइट्म्स खाने को नहीं मिलेंगे। यूजीसी ने नोटिस में निर्देश दिया है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में संचालित हो रहे कैंटीन द्वारा अब सिर्फ हेल्दी फूड ही परोसे जाएंगे।

आधिकारिक नोटिस के अनुसार, जैसा कि आप जानते हैं, नेशनल एडवोकेसी इन पब्लिक इंटरेस्ट (एनएपी7) पोषण पर एक राष्ट्रीय थिंक टैंक है, जिसमें महामारी विज्ञान, मानव पोषण, सामुदायिक पोषण और बाल चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, प्रशासन, सामाजिक कार्य और प्रबंधन में स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल हैं। बढ़ते मोटापे, मधुमेह और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) पर चिंतित, सामान्य एनसीडी (2017-2022) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय बहु-क्षेत्रीय कार्य योजना (एनएमएपी) के त्वरित कार्यान्वयन के लिए एनएपी ने शैक्षणिक संस्थानों में अनहेल्दी फूड की बिक्री पर रोक लगाने और कैंटीनों में स्वस्थ भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है।

यूजीसी पहले भी जारी कर चुका है एडवाइजरी

नोटिस में यूजीसी ने कहा है कि इस सम्बन्ध में उच्च शिक्षा संस्थानों को पहले भी, 10 नवंबर 2016 और 21 अगस्त 2018, एडवाइजरी जारी जा चुकी है। इस क्रम में संस्थानों को एक बार फिर से चेताया जाता है कि वे अपनी कैंटीन में अनहेल्दी फूड की बिक्री पर रोक लगाएं और सिर्फ हेल्दी फूड ही परोसे जाने को बढ़ावा दें। ऐसा करके हम गैर-संचारी रोगों की लगातार बढ़ रही महामारी पर रोक लगाने में सक्षम हो सकेंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c | न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार,18 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सिद्धारमैया ने कर्नाटक में 100 प्रतिशत कोटा बिल पर पोस्ट हटाई

श्रम मंत्री की सफाई-

- यह 50 प्रतिशत और 70 प्रतिशत है

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100 प्रतिशत कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली।

सीएम के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70 प्रतिशत और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50 प्रतिशत तक सीमित है।

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

कहा-

- भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए; जो हमारे साथ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे जो हमारा साथ, हम उनके साथ... 'सबका साथ, सबका विकास कहना बंद

करो'। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोले, भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने कुछ घंटे बाद सफाई दी, पीएम के बयान से कोई लेना-देना नहीं।

केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप

समिति के अध्यक्ष बोले-

- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सनसनी न फैलाएं, सबूत है तो कोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य स्वामी' अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 15 जुलाई को केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। इस पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने

कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं।

अजेंद्र अजय ने कहा- मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है।

महाराष्ट्र की शिंदे सरकार की 'लाड़ला भाई योजना'

युवा बनेंगे 'लाड़ले', हर महीने मिलेंगे 10 हजार रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले ही मौजूदा सरकार ने सत्ता में वापसी के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। महाराष्ट्र सरकार ने लाडली बहना के बाद अब 'लाड़ला भाई योजना' लाने का ऐलान किया है।

इस योजना के तहत 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को हर महीने 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा इस योजना के तहत डिप्लोमा कर रहे छात्रों को हर महीने आठ हजार और ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने वाले स्टूडेंट्स को हर महीने 10 हजार रुपये देने का फैसला किया है।

सीएम शिंदे ने इस योजना को लेकर क्या कहा?

इस योजना का एलान करते हुए सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत, हमारी सरकार राज्य के युवाओं को उन कारखानों में अप्रेंटिसशिप करने के लिए पैसे देने जा रही है जहां वे काम करेंगे। इस योजना के तहत हमारे युवाओं को फैक्ट्रियों में

अप्रेंटिसशिप मिलेगी और सरकार उन्हें वजीफा देगी। सीएम शिंदे ने इस योजना को लेकर कहा कि सरकार की नजर में लड़का और लड़की में कोई फर्क नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ऐसी योजना लांच की है। आगे उन्होंने कहा कि इस योजना से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है।

'लाड़ला भाई स्कीम' का किसे मिलेगा लाभ?

इस योजना के तहत 12वीं पास करने वाले युवाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह दिया जाएगा। तो, डिप्लोमा करने वाले युवाओं को 8 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, ग्रेजुएट युवाओं को 10 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

योग्यता	राशि
12वीं पास	6 हजार रुपये
डिप्लोमा	8 हजार रुपये
ग्रेजुएट	10 हजार रुपये

हरियाणा सरकार का अग्निवीरों को तोहफा

- सरकारी नौकरी में मिलेगा 10 फीसदी आरक्षण

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को ग्रुप बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयुसीमा में तीन साल की छूट देने का एलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने सिविल पदों पर अग्निवीरों की सीधी भर्ती पर आरक्षण की भी घोषणा की है।

हरियाणा सरकार देगी 10 फीसदी का आरक्षण- सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार 10 फीसदी आरक्षण देगी। अग्निवीर पीएम मोदी की लोकहित योजना है। अग्निवीर को ग्रुप बी और ग्रुप सी में अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। अग्निवीरों के घायल होने पर एक कमेटी जांच रिपोर्ट पूरी होने पर इलाज के पैसे दिए जाएंगे। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, पीड़ित की मौत हो जाने पर परिजनों को मुआवजा मिले। इसके साथ ही आर्म्स लाइसेंस की सुविधा सरकार अग्निवीरों को देगी। हरियाणा सीएम नायब सैनी ने कहा कि पुलिस, माइनिंग गार्ड की भर्ती कैटेगरी में 10 फीसदी का आरक्षण मिलेगा

उ.प्र.के 16 जिलों में बाढ़, 3 नदियां उफान पर

24 घंटे में 6 मौतें, कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, 9 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ/नईदिल्ली। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा कर्नाटक में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई।

उधर, बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान- मौसम विभाग ने बुधवार 17 जुलाई को मध्य प्रदेश,

राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और उत्तराखंड यानी 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, 10 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

राजस्थान के 2 शहीदों का अंतिम संस्कार

जयपुर/झुंझुनू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनू जिले के 2 जवानों का अंतिम संस्कार थोड़ी देर में होगा। शहीदों के सम्मान में स्थानीय लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को लेकर तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनू के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी। वहीं बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए।

क्षिप्रा के घाट श्रद्धालुओं के लिये बनेंगे सुविधायुक्त

निरंतर बना रहेगा क्षिप्रा में जल-प्रवाह

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर कार्य योजना हुई तैयार

भोपाल (नप्र)। सिंहस्थ-2028 में क्षिप्रा नदी में जल-प्रवाह को निरंतर बनायें रखने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें बैराजों का निर्माण किया जायेगा। कान्ह नदी के व्यपवर्तन से प्रदूषण को रोका जा सकेगा। क्षिप्रा नदी पर श्रद्धालुओं की स्नान सुविधा के लिये सुविधाजनक घाटों का निर्माण होगा। घाटों के निर्माण में लगने वाले पत्थर और अन्य सामग्री का

चयन विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और अभियंताओं को व्यापक अध्ययन और शोध के बाद कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

श्रद्धालुओं को आचमन और स्नान में नहीं होगी कोई असुविधा- क्षिप्रा के जल को प्रदूषण मुक्त करने के लिए कान्ह नदी के व्यपवर्तन, कान्ह नदी पर 11 बैराजों और क्षिप्रा नदी पर 18 बैराजों का निर्माण इंदौर, उज्जैन और देवास जिले में प्रस्तावित है। इससे सिंहस्थ के लिए क्षिप्रा नदी में निरंतर जल प्रवाह बना रहेगा। क्षिप्रा नदी पर स्नान के बेहतर प्रबंध किये जा सकेंगे। कार्य योजना में क्षिप्रा नदी में सेवरखेड़ी बैराज से मानसून के समय जल का उद्वहन करते हुए 51 मि.घ.मी. जल, पूर्व निर्मित सिलाखेड़ी जलाशय के विस्तारीकरण से भरे जाने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे मानसून के अलावा अन्य मौसमों में भी क्षिप्रा नदी में जल निरंतर प्रवाहित होता रहेगा। श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आचमन और स्नान इत्यादि में किसी भी प्रकार की असुविधा नही होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माण एजेंसियों को हिदायत दी है कि कार्य योजना के सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक किये जाए। ध्यान रखा जाए कि क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित संरचनाओं, प्रस्तावित बैराजों के निर्माण तथा आवश्यक घाटों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को कोई असुविधा न हो।

इन घाटों पर श्रद्धालुओं को मिलेंगी पर्याप्त सुविधाएँ- प्रस्तावित कार्य योजना के अनुसार उज्जैन में शनि मंदिर से वी.आई.पी. घाट तक 1500 मीटर, वी.आई.पी. घाट से जीवनखेड़ी ब्रिज तक 7175 मीटर, जीवनखेड़ी ब्रिज से वाकणकर ब्रिज तक 3810, वाकणकर ब्रिज से गऊघाट स्टॉपडेम तक 2938 मीटर, चक्रतीर्थ से ऋणमुक्तेश्वर ब्रिज तक 1590 मीटर, भर्तृहरि गुफा और सिद्धवट से नागदा बायपास तक 11442 मीटर और शनि मंदिर से गोठडा बैराज तक 760 मीटर इस तरह कुल लगभग 29 हजार 215 मीटर की लम्बाई में घाटों के निर्माण के कार्य सम्पन्न होंगे।

खदान में डूबने से दो भाइयों की मौत

छोटे को बचाने बड़ा भाई भी कूदा, श्योपुर में अवैध खदान में भरा था बारिश का पानी

श्योपुर (नप्र)। श्योपुर के ओछापुर की खदान में दो नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई थे। 12 साल का बच्चा खदान के पास खड़ा था, उसका पैर फिसला और पानी में जा गिरा। ये देख 17 साल का उसका भाई बचाने के लिए पानी में कूद गया।

ओछापुरा में मो रोड के पास अवैध पत्थर खदान है। ओछापुरा थाना प्रभारी जय सिंह रघुवंशी ने बताया, बुधवार सुबह करीब 9 बजे धर्मेंद्र (12) और रामवतार माली (17) रिश्तेदार के साथ बकरियां चराने खदान के पास गए थे।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में धोती पहने बुजुर्ग को नहीं मिला प्रवेश

कन्नड़ किसानों के संगठन ने मॉल के बाहर किया विरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। कुछ महीनों पहले बेंगलुरु मेट्रो में एक किसान को प्रवेश नहीं मिला था अब अपने बेटे के साथ मॉल में फिल्म देखने पहुंचे एक बुजुर्ग को प्रवेश नहीं मिला, क्योंकि बुजुर्ग ने धोती पहने के साथ सिर पर साफी बांधी हुई थी। यह घटना कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सामने आई

है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में दावा किया गया है कि बुजुर्ग को धोती पहने होने के कारण मॉल में प्रवेश नहीं दिया गया। बुजुर्ग को उसका बेटे ऑनलाइन टिकट बुक करने के बाद फिल्म दिखाने के लिए जीटी वर्ल्ड मॉल लेकर गया था। इस घटना ने एक बार फिर से कई सवाल खड़े कर दिए है कि आखिर सिद्धारमैया सरकार के सख्त रवैए के बाद भी ऐसी घटना की पुनरावृत्ति क्यों हुई है।

बेंगलुरु के जीटी वर्ल्ड मॉल में यह घटना घटी। बेटे ने अपने पिता को फिल्म दिखाने के लिए टिकट बुक किया था। जब बेटा अपने पिता को लेकर मॉल पहुंचा तो सिक्योरिटी स्टॉफ ने प्रवेश देने से मना कर दिया है। सिक्योरिटी गार्ड ने कहा कि ऐसी ड्रेस पहनकर मॉल में जाने की अनुमति नहीं है। गार्ड ने कहा कि प्रवेश के लिए उन्हें पैंट पहनकर आना होगा।

मोदी सरकार की गठबंधन नीति

अपनों को हटाया, सहयोगियों को लाए, नीति आयोग में नई एंट्री

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बतौर पदेन सदस्य शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। नई सरकार बनने और मंत्रिपरिषद में कुछ नए मंत्रियों को जगह मिलने के बाद आयोग का पुनर्गठन किया गया है। आयोग के उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। हालांकि इस पुनर्गठन में सहयोगी दलों के सदस्यों की भी एंट्री हुई है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में बीजेपी अपने सहयोगी दलों का खासा ध्यान रख रही है।

सहयोगी दलों के पांच मंत्री हुए शामिल- सरकार ने मंगलवार जिस नीति आयोग का पुनर्गठन किया उसमें आमंत्रित सदस्यों की संख्या 5 से बढ़ाकर 11 कर दी गई है। इसमें बीजेपी के सहयोगी दलों के पांच मंत्री - एच डी कुमारस्वामी (जेडीएस), जीतन राम मांझी (एचएएम), राजीव रंजन सिंह (जेडीयू), के आर नायडू (टीडीपी) और चिराग पासवान (एलजेपी-राम विलास) शामिल हैं।

जिन सहयोगी दलों को शामिल किया गया है, उनमें कुमारस्वामी के पास भारी उद्योग और इस्पात विभाग है, मांझी के पास सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग है, राजीव रंजन सिंह उर्फ लालन सिंह के पास मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग है, नायडू के पास नागरिक उड्डयन विभाग है और चिराग पासवान के पास खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग है।

किसको इस बार नहीं मिली जगह- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव, जो पहले विशेष आमंत्रित थे, इस बार सूची में नहीं हैं। गडकरी, वीरेंद्र कुमार और राव इंद्रजीत सिंह भी पहले विशेष आमंत्रित थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बतौर पदेन सदस्य शामिल किया गया है।

साइकिल मड चैलेंज

घुमावदार मोड़ पर उड़ती कीचड़, बच्चों ने दिखाया उत्साह

भोपाल (नप्र)। कीचड़ में कूदती साइकिलें, कोई गिरा तो कोई संभला, हर किसी में आगे निकलने की होड़, कुछ इस तरह का नजारा बुधवार को गिन्नोरी स्थित हमीदिया स्कूल के ग्राउंड में दिखाई दिया। मौका था साइकिल मड चैलेंज के सीजन टू के आयोजन का, टीम बगिया द्वारा आयोजित साइकिल मड चैलेंज सीजन 13 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया था। पहले सीजन के बाद, इस साल के आयोजन को लेकर भी साइकिल प्रेमियों में खासा उत्साह

देखने को मिला। इस आयोजन में तीन श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें जूनियर (11 वर्ष के कम), मिडिल एज (11 से 15 वर्ष) और सीनियर कैटेगरी (15 से 20 वर्ष) शामिल थी। इस साइकिल मड चैलेंज में प्रतिभागियों को ऑफ-रोड ट्रैक पर कीचड़ और घुमावदार रास्तों से गुजरना होता है। यह पूरा ट्रैक करीब 800 मीटर लंबा था। इन ट्रेक पर प्रतिभागियों को अपनी चतुराई और तेजी का प्रदर्शन करना होता है। जो प्रतिभागी सबसे कम समय में इस ट्रैक को पार करता है वह विजेता घोषित किया जाता है।प्रतियोगिता में विजेताओं को 10,000 रुपए तक के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

आयोजक आसिम ने बताया कि इस साल भी पिछले साल की तरह रायसेन, बेगमगंज और भोपाल के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विजेता का चयन समय के आधार पर किया गया। जो भी कम समय में रेस लाइन पार करेगा, वही विजेता घोषित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में ज्यादातर 7 से 15 साल के बच्चे शामिल थे।

भोपाल के गुनगा में बिजली दफ्तर का घेराव

- **बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन; 7 दिन में सुधार नहीं होने पर बड़ा आंदोलन**

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गुनगा स्थित बिजली कंपनी के ऑफिस का बुधवार को कांग्रेसियों ने घेराव कर दिया। वे घंटों बिजली कटौती से नाराज थे। उन्होंने 7 दिन में सुधार नहीं होने पर बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण और किसानों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अवनीश भार्गव के नेतृत्व में बुधवार को यह प्रदर्शन किया। भार्गव ने बताया, ग्रामीण

क्षेत्रों घंटों अघोषित बिजली कटौती हो रही है। दूसरी ओर, भारी भरकम बिजली बिल भी दिए जा रहे हैं। इससे किसान समेत हर वर्ग परेशान हैं। इसलिए बुधवार को प्रदर्शन कर दफ्तर का घेराव किया।

ज्ञापन भी सौंपा

भार्गव के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गुनगा के बिजली ऑफिस का घेराव भी कर दिया। उन्होंने कार्यालय में अपनी मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कटौती नहीं करने की मांग की गई। सात दिन में व्यवस्था में सुधार किए जाने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि सुधार नहीं होने पर बड़ा आंदोलन करेंगे। कटौती के चलते धान रोपाई के कार्य में भी परेशानी हो रही है। इस मौके पर नीतीश पलारिया समेत बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद थे।

मंत्री श्री टेटवाल के साथ गुजरात सरकार के मंत्री श्री कुंवरजी बावलिया ने सिंचाई परियोजना का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया

भोपाल (नप्र)। कौशल विकास और रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल के साथ गुजरात सरकार के जल संसाधन मंत्री श्री कुंवर जी भाई मोहन भाई बावलिया ने आज राजगढ़ जिले के मोहनपुरा कुंडलिया सिंचाई परियोजना का अवलोकन किया। मंत्रीद्वय ने मोहनपुरा डैम के समीप स्थित कृषिधाम का भी अवलोकन किया तथा स्थानीय किसानों एवं अधिकारियों से चर्चा कर योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर सांसद श्री रोडमल नागर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन का प्रचार करने वाले 2 और गिरफ्तार

पिपलानी पुलिस की जांच में 2 आरोपी महिलाएं भी निकली कन्वर्ट

भोपाल (नप्र)। भोपाल की पिपलानी पुलिस ने शिव नगर आनंद नगर से रविवार को धर्म परिवर्तन का प्रचार कर रही 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उनके दो साथी मौके से भागने में कामयाब हो गए थे। बुधवार को पुलिस ने दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों मूल रूप से केरल के रहने वाले हैं। पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी है।

वहीं, पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार की जा चुकी तीन महिलाओं में से दो स्वयं धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म में शामिल हुई हैं। एक महिला ने दो महीने पहले ही अपना धर्मांतरण किया है। महिला ने कारोबारी को धर्म परिवर्तन करने पर 20 लाख रुपए देने की बात कही।

पूछा तो महिलाएं बोली-अपने धर्म की अच्छाईयां बता रही हैं

कोकता निवासी धनवीर सिंह ठाकुर शिव नगर में पार्ट्स शॉप का संचालन करते हैं। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को अपनी दुकान के बाहर खड़े थे। तभी उन्होंने देखा की तीन महिलाएं और दो पुरुष हाथ में पंपलेट लिए बस्ती के लोगों को कुछ समझा रही हैं।

फरियादी ने महिलाओं के पास पहुंचकर उनसे बातचीत शुरू की। उनसे पूछा की यहां क्या रही हैं, तब महिलाओं ने बताया कि वह ईसाई हैं और अपने धर्म की अच्छाईयां लोगों को बता रही हैं। इस पर मैने पूछा कि आपके धर्म को अपनाने से क्या फायदा होता है।

तब एक महिला ने जवाब दिया बीस लाख रुपए दिए जाएंगे। एक महिला ने बताया कि मैं स्वयं दो महीने पहले कन्वर्ट हुई हूं...मुझे रहने को अच्छा मकान और केश पैसे भी दिए गए हैं। बच्चों की अच्छे स्कूल में शिक्षा कराई जा रही है। मुझे भी बताया कि उनका धर्म अपनाने पर बच्चों की शिक्षा अच्छे मिशनरी स्कूल में फ्री कराई जाएगी। इसके बाद मैं अन्य कारोबारी साथियों के साथ उनकी बातें सुनता रहा। इसी बीच पास में स्थित आनंद नगर चौकी से पुलिस को बुलाया।

सभी पांच आरोपी गिरफ्तार

एसआई संतोष रघुवंशी ने बताया कि शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की थी। मौके पर तस्दीक कराने पर फरियादी के आरोपों की पुष्टि हुई। महिलाओं के पास से प्रचार-प्रसार संबंधी पर्चे मिले हैं। गिरफ्तार महिलाओं के नाम मेरी वस्तवाल, मेरी मसीहा व सुमन मसीहा हैं। दो अन्य आरोपी चंद्रभान और बदाप्रसाद वहां से भागने में कामयाब हो गए। दोनों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी पांच लोगों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। तीनों आरोपी महिलाएं नन हैं। उनमें से दो महिलाएं भोपाल व एक नर्मदापुरम की रहने वाली हैं। मेरी और सुमन ने स्वयं भी कन्वर्ट होने की जानकारी पूछताछ में दी थी।

धार्मिक किताबें भी जब्त

महिलाओं के कब्जे से पर्चे, धार्मिक किताबें व डायरी आदि लिटरेचर जब्त किया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पांचों आरोपियों पर धार्मिक स्वतंत्रा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। गिरफ्तार तीनों महिलाओं को नोटिस देकर जमानत पर छोड़ दिया है।

रिटायर्ड डीएसपी के भाई को कॉल- बेटे ने गैंगरेप किया, 80 हजार अकाउंट में डलवाए

- **बाद में ठग बोला- ऐसे किसी को रुपए मत डाला करो**

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में रिटायर्ड डीएसपी के भाई से साइबर क्रिमिनल्स ने 80 हजार रुपए ठग लिए। 13 जुलाई को उन्हें वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सिंगरौली का टीआई बताते हुए कहा, आपका बेटा गैंगरेप में फंस गया है। चार लोगों ने गैंगरेप किया है। लड़की की हालत नाजुक है। बेटे को पकड़कर थाने ले जा रहे हैं।

रिटायर्ड डीएसपी जीपी शाक्य के भाई पहाड़ सिंह पेशे से किसान हैं। बड़ा बेटा बेटा राजू शाक्य सिंगरौली पावर प्लांट में सुपरवाइजर है। मंगलवार को एसपी ऑफिस में शिकायत करते हुए उन्होंने बताया, वॉट्सएप कॉल करने वाले की डीपी पर किसी पुलिस अधिकारी की फोटो लगी थी। उसने कहा कि 80 हजार रुपए बैंक खाते में डाल दो, बेटे को यहीं से छोड़ देंगे।

पहाड़ सिंह के मुताबिक, क्रिमिनल्स ने किसी को बेटा बताकर बात कराई। वह रोते हुए कह रहा था कि पापा मुझे बचा लो। 80 हजार रुपए उनके बताए बैंक खाते में डालने के बाद दोबारा कॉल आया। इस बार एफआईआर से नाम हटाने का कहकर 3 लाख रुपए और मांगे गए। शक हुआ तो बेटे को कॉल लगाया। वह बोला- मैं बिल्कुल ठीक हूं।

ठगी का पता चलने पर पहाड़ सिंह के छोटे बेटे अमन ने कॉल करने वाले के नंबर पर फोन लगाया। ठग ने कहा, जब आपके पास कॉल आया था तो सबसे पहले अपने भाई को फोन कर पूछ लेते कि वह ठीक है या नहीं। सीधे मुंह उठाकर ट्रांजेक्शन कर दिया। ऐसे किसी को रुपए मत डाला करो। अमन ने रुपए लौटाने के लिए कहा तो ठग ने कहा कि पैसे वापस नहीं होंगे।

घर की पूरी डिटेल तक बता दी

रिटायर्ड डीएसपी और उनके भाई का परिवार डबरा के पिछोर में रहता है। पहाड़ सिंह ने बताया कि उन्हें कॉल करने वाले ने उनके घर की पूरी डिटेल तक बता दी थी। बेटे की रोती हुई आवाज सुनकर वे घबरा गए थे। छोटे बेटे से 80 हजार रुपए ऑनलाइन पेमेंट कराए। ठीक 20 मिनट बाद फिर उसी नंबर से वॉट्सएप कॉल आया। ठग ने कहा कि अभी तो बेटे को छोड़ रहे हैं लेकिन वह जेल चला जाएगा। एफआईआर नहीं चाहते हैं तो 3 लाख रुपए और डाल दो। उसके तीन साथियों पर केस कर मामला सुलझा देंगे।उन्होंने कहा, छोटे बेटे ने जब बड़े बेटे को कॉल किया तो उसने बताया कि वह कंपनी में है। उसे पुलिस ने नहीं पकड़ा है।

पुलिस खंगाल रही अकाउंट

पुलिस ने उस बैंक अकाउंट को खंगालना शुरू कर दिया है, जिसमें रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। पुलिस वॉट्सएप कॉल करने वालों के सोशल मीडिया अकाउंट की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस की साइबर सेल टीम ने जांच शुरू कर दी है। डबरा-पिछोर पुलिस भी जांच कर रही है। सीएसपी इंदरगंज अशोक सिंह जादौन का कहना है कि आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के नए प्रयोग को गुजरात सरकार भी अपनाएगी : मंत्री बावलिया

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट से गुजरात के जल संसाधन मंत्री श्री बावलिया ने की मुलाकात

भोपाल (नप्र)। गुजरात के जल संसाधन मंत्री श्री कुंवर जी भाई मोहन भाई बावलिया ने आज प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट से उनके निवास पहुंचकर मुलाकात की। मंत्रीद्वय ने दोनों राज्यों की सिंचाई परियोजनाओं और आपसी सहयोग पर विस्तार से चर्चा की।

श्री कुंवर जी भाई बावालिया ने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां की मोहनपुरा कुंडलिया और केन बेतवा लिंक परियोजनाओं का न केवल भारत में अपितु विश्व की सिंचाई परियोजना में महत्वपूर्ण स्थान हैं। मैं आज यहां मध्य प्रदेश की मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और अन्य परियोजनाएं देखने आया हूं। सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में किए जा रहे नित नए प्रयोगों को गुजरात सरकार भी अपनाएगी।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी शीघ्र ही केन बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन करने के लिए मध्यप्रदेश आने वाले हैं। यह परियोजना प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदल देगी। मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना के लिए मध्यप्रदेश को केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2025 तक इसे 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 28 - 29 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना है। मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान और अन्य जल संरक्षण और संवर्धन संबंधी कार्यों की जानकारी दी और इस संबध में एक पुस्तिका भी भेंट की। गुजरात के जल संसाधन मंत्री ने श्री सिलावट को गुजरात की साबरमती रिवरफ्रंट व अन्य योजनाएं देखने का आमंत्रण भी दिया और गांधी आश्रम की प्रतिकृति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की।

इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता श्री शिरीष मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायल बाघ शावकों की जीवन रक्षा के प्रयास की सराहना की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाघिन के घायल शावकों की जीवन रक्षा के लिए सीहोर जिला प्रशासन और भोपाल रेल मंडल द्वारा तत्परतापूर्वक की गई कार्यवाही की सराहना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोमवार की सुबह सीहोर जिले में बुधनी के पास मिडघाट में बाघिन के तीन शावक रेल्वे ट्रैक दुर्घटना के शिकार हो गये थे। दुर्घटना में एक शावक की मृत्यु हो गई लेकिन शेष दो घायल शावकों का रेस्क्यू किया जाकर उपचार के लिये भोपाल के वन्य प्राणी चिकित्सालय लाने के लिए एक डिब्बे की विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सराहना करते हुए कहा कि सीहोर जिला प्रशासन एवं रेल मंडल द्वारा मनुष्य के साथ ही पशु-पक्षियों के जीवन के प्रति संवेदनशील होकर दायित्व निभाने का यह श्रेष्ठ उदाहरण है।

पत्नी को डाक से भेजा तीन तलाक

पति ने लिखा- माता-पिता को अपमानित करती है

महिला बोली- प्रताड़ित मैं हुई, मुझ पर ही लगाए आरोप

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर में एक महिला को डाक से तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। 23 साल की महिला मंगलवार को एक लेटर लेकर देहात थाना पहुंची। लेटर पुलिस की ओर बढ़ाते हुए बोली, सर यह मेरे पति ने भेजा है। डाक के जरिए उन्होंने मुझे तीन तलाक दे दिया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने महिला विवाह संरचना अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। महिला की शादी 2023 में कोलारस के रहने वाले आदिल से हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था।

डाक से तीन तलाक का लेटर भेजने की सूचना पर मीडिया ने पीड़िता से बात की, साथ ही उस लेटर को भी देखा, जो पति ने उसे भेजा है...

पति ने डाक से भेजा तलाक का लेटर- साहिबा बानो ने बताया कि 26 अप्रैल 2023 को कोलारस के आदिल से मेरी शादी हुई थी। वह मंडी में अनाज खरीदने-बेचने का काम करता है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले कहते हैं कि जिस तरह हम रखना चाहें, उसी तरह से आपको रहना पड़ेगा। पति मुझसे मारपीट करता। एक पति ने 2 लाख रुपए की मांग की। मैंने अपने पिता को बताया। पिता ने जब उनसे बात की तो वह एक पिकअप वाहन खरीदने का कहने लगे।

पिता ने 2 लाख दिए, फिर भी मारपीट करते थे- 20 अप्रैल को पापा ने 2 लाख रुपए की मदद की, जिससे उन्होंने वाहन खरीदा। इसके बाद भी उनका मन नहीं भरा और मारपीट कर और पैसों की मांग करने लगे। कहने लगे कि तुम पैसे लेकर आओ, काफी दिनों तक यही चलता रहा।

परेशान होकर मैं अपने माता-पिता के घर आकर रहने लगी। रविवार को घर पर ही थी, तभी मेरे नाम से पोस्ट ऑफिस से एक लेटर आया। लेटर मुझे पति ने भेजा था। खोलकर देखा तो उसमें तीन तलाक लिखा हुआ था। उसे फोन लगाया तो बात नहीं की। इसके बाद थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। महिला का कहना है कि वह पति की प्रताड़ना से तंग आकर मायके आकर रहने लगी थी।

पीड़िता ने पुलिस को लेटर दिया, जिसमें पति ने उस पर आरोप लगाए हैं- 26 अप्रैल 2023 को ग्राम महाना में शहाना (बदला हुआ नाम) से निकाह हुआ था। निकाह मेहर रुपए 100,786 के साथ बिना किसी दहेज के हुआ था। शादी के अगले दिन से ही शहाना छोटी-छोटी बातों पर लड़ने लगी। कहने लगी कि, मैं पढ़ी-लिखी लड़की हूं। दरवाजा नहीं खोलूंगी, दूध

नहीं लूंगी, कचरा भी नहीं फेकूंगी। मैं प्राइवेट स्कूल और ट्यूशन में पढ़ाकर 10-15 हजार रुपए महीना कमाती हूं। तू तो गरीब है। जब शहाना को माता-पिता ने समझाया तो उन्हें अपशब्द कहने लगी। गालियां देते हुए कहती- तुम छोटे हो, तुम्हारा खानदान छोटा है। जब शहाना के घरवालों को बताया तो कहने लगे कि तुम्हें और तुम्हारे घरवालों को दबकर रहना पड़ेगा। रख सको तो रखो नहीं तो तुम्हें झूठे केस में फंसा देंगे। जेल करा देंगे।

शहाना के परिवार कोलारस आकर तुम्हारे परिवारवालों के हाथ-पैर तोड़कर जाएंगे। कहा- यहां से चले जाओ वरना, तुम्हारे हाथ-पैर तोड़ देंगे। शहाना मायके चली गई। जब उसे लेने गया तो कहने लगे कि हमारी शर्तों पर ही लड़की को भेजेंगे। सभी शर्तें माननी भी पड़ेंगी। जेल भेजकर जीवनभर रुपए लेंगे, अकल ठिकाने आ जाएगी। जब शर्तें पूछी तो बोले- हमारी लड़की कोई काम नहीं करेगी। वो जो कहेगी, सब करना होगा। 19 अप्रैल 2024 को शहाना उसकी फुप्पी के लड़के की शादी में गई। वहां से लौटते समय ट्रेन से कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगी। घर पर हाथ की नस काटने और फांसी लगाने की धमकी दी। कहा- मर जाऊंगी और तुम्हें और तुम्हारे घरवालों को फंसा जाऊंगी।

27 अप्रैल 2024 को जब मेरे पिता ने शहाना को समझाया तो चप्पल उठाकर उन पर हावी हो गई। लड़कर मायके चली गई। शादी में हमने जो सोना-चांदी दिया था अपने साथ ले गई। इसमें दो सोने की अंगूठी, एक सोने का हार, चार सोने की चूड़ी और चांदी की दो पायल थी। आलमारी में रखे 3 लाख रुपए नकद भी ले गई। पूछने पर कहा- क्या सबूत है कि मैं जेवर-रकम लेकर आई हूं।

शहाना की हरकतों से परेशान हो गया हूं। खुद की और परिवार की सरक्षा की चिंता है। बहुत सोचा और नतीजे पर आया कि अब साथ नहीं रह सकते। 30 मई 2024 को दो गवाह के समक्ष शहाना को पहला तलाक देता हूं। मेरे द्वारा बोले गए तलाक शब्द को गवाहों ने सुना है। 2 जून 2024 को दूसरा तलाक दो गवाह की मौजूदगी में दिया। 8 जुलाई 2024 को तीसरा और अंतिम तलाक दो गवाह की मौजूदगी में दिया। तीनों तलाक की की जानकारी मोबाइल पर दी है। निकाह में दी गई कुल राशि 106786 रुपए लौटने को तैयार हूं। तलाकुल हसन का अंतिम घोषणा पत्र भेज रहा हूं। निकाह 26 अप्रैल 2023 को खत्म हो चुका है।

महिला विवाह संरचना अधिनियम के तहत केस दर्ज

देहात थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान ने बताया कि महाना गांव की महिला का विवाह अप्रैल 2023 में कोलारस के आदिल से हुआ था। विवाह के बाद से दोनों में मनमुटाव रहने लगा, इसके बाद महिला मायके वापस आ गई। महिला का आरोप है कि पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। इसके बाद दो-तीन महीने से ससुराल नहीं गई। पति आदिल ने तीन तलाक का लेटर डाक से भेजा है, जिसकी शिकायत थाना देहात में की गई, जिस पर से महिला विवाह संरचना अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय

जम्मू में बढ़ते आतंकी हमले

जम्मू कश्मीर में लगातार बढ़ रहे आतंकी हमले गंभीर चिंता का विषय है। खास बात यह है कि अब तक शांत रहा जम्मू क्षेत्र अब आतंकियों के निशाने पर है। ताजा आतंकी हमले में डोडा जिले के डेसा में आतंकियों की फायरिंग में सेना के एक कैप्टन सहित 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिस कर्मी की भी मौत हुई है। यह मुठभेड़ राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई। आतंकियों के अंधाधुंध फायरिंग के दौरान 5 जवान घायल हुए थे, जिन्होंने बाद में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इनमें भी शहीद हुए कैप्टन ब्रजेश थापा का आर्मी डे पर ही जन्म हुआ और वीर मृत्यु भी इसी दिन हुई। उनकी मां ने कहा कि उन्हे अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है। इस हमले की कश्मीर के आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स ने जिम्मेदारी ली है। उसने तो यह दावा भी किया कि हमले में 12 भारतीय जवानों की मौत हुई है। हालांकि सेना व पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन हमलों के लिए मोदी सरकार की गलत नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है तो राज्य की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर के डीजीपी को बर्खास्त करने की मांग की है। पिछले माह लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से आतंकियों ने अपनी रणनीति बदल दी है। यह काम उन्होंने अपने आका पाकिस्तान की आईएसआई के इशारे पर किया है। वो अब कश्मीर घाटी के बजाए हिंदू बहुल जम्मू में आतंकी हमलों को अंजाम दे रहे है। ताकि पूरी दुनिया में संदेश जाए कि राज्य में आतंकवाद उन इलाकों में भी फैल गया है, जहां कभी उसका ज्यादा असर नहीं था। साथ ही यह भी कि कश्मीरी अपनी आजादी के लिए लड़ रहे हैं। दूसरा कारण जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव को प्रभावित करना है। राज्य में तीन माह बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा को उम्मीद है कि वह जम्मू में अधिकांश सीटें जीतकर घाटी में किसी छोटे दल का समर्थन लेकर सरकार बना सकता है। आतंकी इसी चाल को विफल करने की कोशिश में लगे हैं। दूसरे, आतंकी संगठन लोकसभा चुनाव में कश्मीरियों के उत्साह से मतदान करने से भी बौखलाए हुए हैं। जम्मू मे हमले कर वह हिंदू बहुल इलाकों में भी दहशत फैलाना चाहते हैं। जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। नेकां नेता उमर अब्दुल्ला ने तो पहले ही आशंका जताई थी कि सरकार आतंकी हमलों की आड़ में विस चुनाव स्थगित न कर दे। एक बात साफ है कि जम्मू में सेना व पुलिस का खुफिया तंत्र और आतंकियों से लड़ने की तैयारी वैसी नहीं है, जैसी कि घाटी में रही है। बिना स्थानीय मदद के आतंकी इतने हमलों को अंजाम नहीं दे सकते। इस गठजोड़ को सख्ती से तोड़ना होगा। गौरतलब है कि अकेले डोडा डिवीजन में ही यह पांचवां एनकाउंटर था। बीते 3 साल में जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों में हमारे 47 जवान शहीद हुए हैं और 23 नागरिक भी मारे गए है। जम्मू के कठुआ, सांबा और डोडा जिलों में आमतौर पर हिंदू मुस्लिम आबादी 50-50 फीसदी होती है। पहाड़ों पर भी दोनों समुदायों की मिली जुली आबादी है। आतंकियों ने सेना पर घात लगाने के लिए हिंदू गांव को ही चुना। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक अब ये आतंकी अत्याधुनिक तकनीक और मोबाइल एप से लैस हैं। वो हमले के लिए ऐसी लोकेशन चुनते हैं, जहां सेना व पुलिस के लिए उनका मुकाबला करने में मुश्किल हो। सरकार व सुरक्षा बलों को इस रणनीति से प्रभावी ढंग से निपटना होगा।

नजरिया

राम पुनियानी

लेखक आईआईटी मुंबई के शिक्षक रहे हैं। सन् 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी अवार्ड से सम्मानित हैं। अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया

राहुल गांधी का हिन्दू धर्म बनाम आरएसएस का हिंदुत्व

इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने हिन्दू धर्म को मानवतावाद से जोड़ने के राहुल गाँधी के प्रयास का समर्थन किया है. कई सालों से देश में हिन्दू धर्म और हिंदुत्व ये दोनों शब्द इस्तेमाल किये जा रहे हैं. उद्धव ठाकरे ने कहा कि राहुल गाँधी का हिन्दू धर्म ही उनका हिंदुत्व है. आरएसएस ने कर्ताधर्ता नेहरु की इसलिए भी आलोचना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा शुरू किये गए साम्प्रदायिकता विरोधी अभियान के निशाने पर आरएसएस था. वे नेहरु के इसलिए भी खिलाफ हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के हाथों सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन का विरोध किया है. संघ कहता है कि उसका हिंदुत्व, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुख़र्जी के विचारों पर आधारित है. सच यह है कि संघ की विचारधारा का दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के विचारों से कोई लेनादेना नहीं हैं. संघ केवल उन दोनों के नामों का इस्तेमाल लर अपनी विचारधारा को स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहा है.

लोकसभा के हालिया (2024) चुनावों के परिणामों ने संसद को बहस और चर्चा का सार्थक मंच बना दिया है. वहां अब प्रतिपक्ष की आवाज़ भी सुनाई देती है. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने अपने भाषण में देश के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न चुनौतियों और समस्याओं पर चर्चा की. उनके भाषण के एक हिस्से में उन्होंने हिन्दू धर्म की प्रकृति और चरित्र पर भी बात की. उनके भाषण का यह हिस्सा शायद सदन की कार्यवाही से विलोपित कर दिया गया है. राहुल गाँधी ने कहा कि हिन्दू धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है. 'भारत, अहिंसा का देश है, भय का नहीं. हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा का आचरण करने और भय पर विजय प्राप्त करने की बात कही है.' फिर, भाजपा सदस्यों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'जो लोग स्वयं को हिन्दू कहते हैं, वे दिन-रात हिंसा और नफरत की बात करते हैं और असत्य बोलते हैं.' उसके बाद से राहुल के कथन के खिलाफ साधुओं ने कई विरोध प्रदर्शन किए और अहमदाबाद में कांग्रेस के कार्यालय पर हमला हुआ. संघ परिवार यह झूठ फैला रहा है कि राहुल ने सभी हिन्दुओं को हिंसक कहा है. राहुल ने इसके ठीक उलट यह साफ़ किया है कि उनकी दृष्टि में हिन्दू धर्म सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित है. संघ के नेता कह रहे हैं कि नेहरु से लेकर राहुल गाँधी तक सभी की विचारधारा का ज़मीनी यथार्थ से कोई लेनादेना नहीं रहा है. उनके अनुसार, नेहरु-गाँधी परिवार के सभी नेता केवल अपना वोट बैंक बचाने की जुगत में अल्पसंख्यकों से जुड़े मसले उठाते रहे हैं.

इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने हिन्दू धर्म को मानवतावाद से जोड़ने के राहुल गाँधी के प्रयास का समर्थन किया है. कई सालों से देश में हिन्दू धर्म और हिंदुत्व ये दोनों शब्द इस्तेमाल किये जा रहे हैं. उद्धव ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधी का हिन्दू धर्म ही उनका हिंदुत्व है. आरएसएस ने कर्ताधर्ता नेहरु की इसलिए भी आलोचना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा शुरू किये गए साम्प्रदायिकता विरोधी अभियान के निशाने पर आरएसएस था. वे नेहरु के इसलिए भी खिलाफ हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के हाथों सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन का विरोध किया था. संघ कहता है कि उसका हिंदुत्व, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुख़र्जी के विचारों पर आधारित है. सच यह है कि संघ की विचारधारा का दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के विचारों से कोई लेनादेना नहीं हैं. संघ केवल उन दोनों के नामों का इस्तेमाल लर अपनी विचारधारा को स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहा है.

हिन्दू धर्म किसी पैगम्बर पर आधारित नहीं है और इसलिए उसकी अलग-अलग ढंग से व्याख्याएं की जाती रही हैं. हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों में 'हिन्दू' नहीं है. वेदों, उपनिषदों, गीता और मनुस्मृति में कहीं भी यह शब्द नहीं है. इस शब्द का इस्तेमाल सिन्धु नदी के पश्चिम में रहने वाले इस विशाल नदी के पूर्व में रहने वालों के लिए प्रयुक्त करते थे. चूँकि वे 'स' का उच्चारण 'ह' करते थे इसलिए सिन्धु शब्द हिन्दू बन गया. अतः हिन्दू शब्द का मूल अर्थ था सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि पर रहने वाले सभी लोग. इस विशाल भूभाग में मुख्यतः वैदिक धर्म (जिसे हम ब्राह्मणवाद भी कह सकते हैं), आजीवक, तंत्र, नाथ, शैव, बौद्ध व जैन परम्पराएं प्रचलित थीं.

बाद में जैन व बौद्ध धर्मों को छोड़कर, इन सभी परम्पराओं का मिश्रण हिन्दू धर्म कहलाने लगा. ब्राह्मणवाद के अलावा अन्य सभी परम्पराएं 'श्रमण' कहलाती थीं. ब्राह्मणवाद और श्रमणवाद में मुख्य अंतर यही था कि ब्राह्मणवाद में जाति प्रथा थी जबकि श्रमणवाद में नहीं थी. हिन्दू धर्म शब्द के उदय के बारे में इतिहासविद डी.एन. झा ने भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2006, में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा था कि, ÷यह बिलकुल सही है कि यह शब्द (हिन्दू), पूर्व-औपनिवेशिक भारत में प्रचलित था. मगर ब्रिटिश अध्येताओं ने 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में इस शब्द का उपयोग करना शुरू किया और धीरे-धीरे यह व्यापक रूप से प्रयुक्त होने लगा. हिन्दू शब्द भारतीय उपमहाद्वीप के उन सभी रहवासियों के लिए प्रयुक्त किया जाता था जो मुसलमान, ईसाई, सिक्ख या जैन नहीं थे.

चूँकि हिन्दू धर्म के कोई निश्चित ग्रन्थ और सिद्धांत नहीं थे इसलिए ब्राह्मणवादियों ने वेदों और मनुस्मृति को पवित्र ग्रंथ घोषित कर दिया. हिन्दू धर्म की समझ में भी अंतर हैं. अम्बेडकर के दृष्टि में ब्राह्मणवाद और जाति प्रथा ने हिन्दू धर्म को जकड रखा है. यही कारण है कि उन्होंने मनुस्मृति का दहन किया. दूसरी ओर महात्मा गाँधी स्वयं को सनातनी हिन्दू कहते थे. उन्होंने 'यंग इंडिया' के 6 अक्टूबर 1921 के अंक में लिखा, 'हिन्दू धर्म सभी से कहता है कि वे अपनी-अपनी आस्था और धर्म के आधार पर ईश्वर की आराधना करें और इस प्रकार वह अन्य धर्मों के साथ शांतिपूर्ण सहअस्तित्व बनाये रख पाया है.' यही तो बहुवाद है. यही तो अंतर्धार्मिक रिश्तों की बुनियाद होनी चाहिए. और अब राहुल गाँधी ने कहा है कि सत्य, प्रेम और अहिंसा हिन्दू धर्म का मूल आधार हैं.

हिंदुत्व शब्द को 1892 में चंद्रकांत बसु ने गढ़ा था और इसे आध्यात्मिक ऊंचाईयां अर्जित करने के आदर्शवादी लक्ष्य से जोड़ा था. राजनीति के सन्दर्भ में हिंदुत्व शब्द के इस्तेमाल की शुरुआत सावरकर ने अपनी पुस्तक 'एस्सेनशियल्स ऑफ़ हिंदुइस्म' (1923) में इसे परिभाषित कर की थी. सावरकर का हिंदुत्व आर्य नस्ल, सिन्धु से समुद्र तक की पवित्र भूमि एवं ब्राह्मणवादी संस्कृति तक सीमित है. सावरकर, बौद्ध धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के कड़े आलोचक थे और मानते थे कि बुद्ध द्वारा अहिंसा का प्रचार करने से ही भारत कमज़ोर बना. यह कहना इतिहास की गलत समझ पर आधारित है. उस समय आधुनिक अर्थ में भारत जैसा कोई राष्ट्र नहीं था. और अगर हम राजाओं के साम्राज्यों को राष्ट्र मानें तो हमें यह याद रखना चाहिए कि सम्राट अशोक, जिन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था, का साम्राज्य प्राचीन भारत का सबसे बड़ा साम्राज्य था. सावरकर के अनुसार हिन्दू केवल वही है जिसकी पितृभूमि और पवित्र भूमि दोनों भारत में हैं.

सावरकर से सीख लेकर आरएसएस इस्लाम और ईसाईयत को विदेशी धर्म मानता है और प्राचीन धर्मग्रंथों (मनुस्मृति आदि) का अनुमोदन करते हैं. संघ ने हिंसा को अपनी विचारधारा का हिस्सा बना लिया है और नागपुर स्थित उसके मुख्यालय में तरह-तरह के हथियारों का संकलन हैं, जिनकी दशहरा के दिन पूजा की जाती है. आरएसएस की शाखाओं में मुस्लिम शासकों जैसे बाबर और औरंगजेब का दानवीकरण कर और हिन्दू राजाओं जैसे राणाप्रताप, शिवाजी और पृथ्वीराज चौहान का महिमामंडन कर नफरत फैलाई जाती है. आरएसएस राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन को भी पसंद नहीं करता क्योंकि उसमें सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया था.

संघ का दावा है कि वह हिन्दुओं का प्रतिनिधि है और वह मंदिरों के विध्वंस, बीफ और जबरिया धर्मपरिवर्तन जैसे भावनात्मक मसले उठाता रहता है. संघ नफरत फैलता है, यह बात सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1948 में संघ पर प्रतिबंध लगाने के बाद कही थी. उन्होंने कहा था, 'उनके सभी भाषण, सांप्रदायिक जहर से भरे रहते थे जिसके अंतिम नतीजे में देश को गांधीजी के बेशकीमती जीवन के बलिदान की पीड़ा से गुजरना पड़ा.'

जहाँ महात्मा गाँधी और राहुल गाँधी जैसे नेता हिन्दू धर्म के मानवीय पक्ष पर जोर देते हैं वही सावरकर से प्रेरित आरएसएस नफरत और हिंसा की राह पर चलते रहे हैं. अम्बेडकर ने भी हिन्दू धर्म पर ब्राह्मणवादियों के वर्चस्व की खिलाफत की थी. राहुल गाँधी, हिन्दू धर्म को समावेशी और अहिंसक चरित्र देने का प्रयास कर रहे हैं.

विश्व

चेतनादित्य

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

...तो डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनेंगे

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने पेनसिल्वेनिया के बेथेल पार्क निवासी 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रूक्स के द्वारा 13 जुलाई को उन पर किए गए हमले के तुरंत बाद अपने देशवासियों से एकजुटता और दृढ़ता बनाए रखने का आह्वान किया। दरअसल, उन्हें पता है कि रिपब्लिकन और डेमोक्रैट पार्टियों के बीच पहले से ही जारी तनातनी और गर्मा-गर्मी यदि और बढ़ी तो देश में खून-खराबा और अराजकता बढ़ेगी। यदि ऐसा हुआ तो वर्तमान राष्ट्रपति एवं डेमोक्रेट की तरफसे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन और उनकी पार्टी उन घटनाओं के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएंगे, जिसका खामियाजा डोनाल्ड ट्रंप को भुगतना पड़ सकता है। बता दें कि दोनों ही दलों और उनके राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की ओर से अमेरिका में चलाए जा रहे चुनाव प्रचार अभियानों में बाइडेन के पिछड़ने और ट्रंप के आगे रहने के कारण पिछले कुछ समय से दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच तल्खियां काफी बढ़ गई हैं। ट्रंप के समर्थकों की ओर से तो यह आशंका भी जताई जाती रही है कि बाइडेन और उनके समर्थकों द्वारा चुनाव में गड़बड़ियां किए जाने की पूरी आशंका है। जैसे-जैसे अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तिथि निकट आ रही है, वैसे-वैसे दोनों ही दलों और उनके नेताओं की ओर से ध्रुवीकरण रूपी हथियार को धार देने का कार्य भी तेज होता जा रहा है।

इसका अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है कि ट्रंप पर हुए हमले के तुरंत बाद ही उनके समर्थकों की ओर से यह कहा जाने लगा कि जब बाइडेन डिबेट में पिछड़ गए तो इस प्रकार ट्रंप पर हमले करा रहे हैं। देखा जाए तो हमले के बाद ट्रंप ने जिस प्रकार सोशल मीडिया साइट पर अपने उद्गार व्यक्त किए, उससे यह समझा जा सकता है कि अमेरिका जैसे सुपर पॉवर रहे बेहद शक्तिशाली देश में अब बहुत कुछ बदल चुका है। एक समय था, जब अमेरिका के भीतर नेताओं और दलों के बीच होने वाले संघर्षों को देश के भीतर तक ही सीमित रखा जाता था, लेकिन अब वहां की राजनीतिक परिस्थितियां पहले जैसी नहीं रहीं। अब सबकुछ जगजाहिर हो जाता है। बहरहाल, हमले के बाद ट्रंप ने लिखा- 'मुझे तुरंत लगा कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैंने एक तेज आवाज सुनी, गोलियां चलीं और तभी मुझे महसूस हुआ कि गोली मेरी त्वचा को चीरती हुई निकल गई। बहुत खून निकला। ...भगवान ने ही वह सब होने से रोक लिया, जिसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था। ...ऐसे समय में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि हम सभी एकजुट रहें और अमेरिकी नागरिक के तौर पर अपना मूल चरित्र बनाए रखें। हम मजबूत और दृढ़ संकल्पित बने रहें और बुराई को न जीतने दें।' ट्रंप के बयान नवंबर महीने में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर देश में एक अलग प्रकार का नैरेटिव पैदा करने के प्रयास का हिस्सा प्रतीत होते हैं।

ऐसा लगता है कि जब वे मुट्ठी भींचकर हवा में लहराते हुए सभी अमेरिकियों को एकजुट होने ...मजबूत और दृढ़ संकल्पित बने रहने तथा बुराई को न जीतने देने की बात कह रहे थे तो अनायास ही वे अमेरिकियों के लिए एक राष्ट्रवादी चेहरा बनकर देश का नेतृत्व करने के लिए समर्थन मांगते हुए दिखाई पड़ रहे थे, जबकि दूसरी ओर बाइडेन को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से पहले से ही वामपंथी विचारों का पोषक और विशुद्ध रूप से वॉशिंगटन की राजनीतिक संस्कृति में पला-बढ़ा राजनीतिज्ञ बताया जाता रहा है, जो देश की समस्याओं और जरूरतों पर पारंपरिक दृष्टि रखने वाले नेता हैं और सामान्यतः सभी मुद्दों पर ठंडे किंतु उलझे मन से विचार रखने वाले एक वृद्ध नेता की छवि रखते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप के समर्थक आगामी चुनाव के मद्देनजर इस हमले का चुनावी लाभ लेना चाहते हैं। वे अमेरिकी नागरिकों को यह बताना चाहते हैं कि वर्तमान सरकार उनके नेता को रोकने के हर संभव प्रयास कर रही है। उनके मार्ग में तरह-तरह के अड़चनें पैदा कर रही है और अब शायद इसी उद्देश्य से उसने उन पर हमला भी करवाया है। इसी प्रकार दूसरी ओर से भी एक अलग ही प्रकार का नैरेटिव पैदा करने का प्रयास किया जा रहा प्रतीत होता है। गौरतलब है कि ट्रंप पर हुए हमले के बाद डेमोक्रैट नेताओं की ओर से लगातार ऐसे बयान दिए जा रहे हैं, जो यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि ट्रंप पर हुआ हमला सामान्य बात है, क्योंकि इस हमले में उन्हें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

पार्टी के अन्य नेताओं की बात तो छोड़िए, अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के उस बयान को भी इसी कड़ी में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें इस बात से 'राहत' मिली है कि ट्रंप गंभीर रूप से घायल नहीं हुए हैं। उपराष्ट्रपति हैरिस के इस हल्के-फुल्के बयान से ट्रंप खेमे में नाराजगी का होना स्वाभाविक प्रतीत होता है। दरअसल, ट्रंप के समर्थकों को लगता है कि कमला हैरिस की ओर से ट्रंप पर हुए हमले को कम करके दिखाने की कोशिश की गई है, जबकि यह हमला 1981 में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारे जाने के बाद से अमेरिका के किसी राष्ट्रपति या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या की सबसे संगीन कोशिश थी। तात्पर्य यह कि राजनीतिक लाभ-हानि को देख-जानकर ही दोनों ओर से इस घटना को केंद्र में रखते हुए राजनीतिक बयानबाजियां की जा रही हैं, जो अमेरिकी राजनीति में आई गिरावट को दर्शाती हैं और साथ ही यह भी बताती हैं कि अमेरिकी लोकतंत्र बुरी तरह से घायल हो चुका है। समय रहते इसका इलाज नहीं किया गया तो स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। वैसे देखा जाए तो तरह-तरह की अफवाहों, आशंकाओं और कयासों को जन्म देती इस घटना की टाइमिंग भी संदेह के घेरे में आ चुकी है। गौर करें तो ध्रुवीकरण से आहत हो चुके अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अब महज चार महीने ही शेष हैं।

सबसे बड़ी बात तो यह कि 15 जुलाई को मिलवाउकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' शुरू होने से ठीक दो दिन पहले इस घटना को अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि इसी सम्मेलन में ट्रंप को औपचारिक रूप से राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाना है। जो भी हो, लेकिन अमेरिका की राजनीतिक परिस्थितियां यह संकेत देने लगी हैं कि अमेरिकी लोकतंत्र एक बार फिर राजनीतिक साजिश और हिंसा की चपेट में पूरी तरह से आ चुका है। ऐसे में यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि कहीं ट्रंप की उम्मीदवारी को रोकने की नीयत से तो नहीं उन पर हमला कराया गया। यह प्रश्न इसलिए भी पूछा जाना चाहिए, क्योंकि जिस 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने एआर-15 राइफल से दनादन पांच गोलियां चलाकर डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला किया, उसके संबंध में प्राप्त जानकारियां हिला देने वाली हैं। बता दें कि थॉमस क्रुक्स कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि गणित का चैंपियन विद्यार्थी था। गणित के क्षेत्र में अपने विशिष्ट ज्ञान के लिए एक बार 'नेशनल मैथ एंड साइंस इनीशिएटिव' से उसने 500 डॉलर का अवार्ड भी जीता था। डिप्लोमा लेते हुए उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आजकल वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि पढ़ाई उसे बहुत पसंद थी और इसी वजह से गरीब होने के बावजूद वह नर्सिंग होम के किचेन में काम करके अपनी पढ़ाई-लिखाई का खर्च निकाल लेता था।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई अब यह जानने में जुटी है कि घटना से पहले वह किस-किस से मिला... उसकी गतिविधियां क्या थीं और कौन-कौन से लोग उसके संपर्क में थे... कहीं वह ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी आतंकवादी या अतिवादी समूह विशेषकर किसी विदेशी संगठन से तो नहीं जुड़ा था आदि। खुफिया एजेंसी उसकी डिजिटल हिस्ट्री भी खंगाल रही है, ताकि वह जान सके कि क्रूक्स किन-किन वेबसाइट्स पर जाता था... किन चैट ग्रुप्स से जुड़ा हुआ था... और कौन-कौन लोग उससे बात कर रहे थे इत्यादि। वैसे उसके संबंध में एक बात गजब उलझन पैदा करने वाली पता चली है, जिसके अनुसार वह ट्रंप की पार्टी का समर्थक था, लेकिन बाइडन की पार्टी को चंदा दिया था। बता दें कि हाल ही में क्रुक्स ने ट्रंप के पक्ष में वोट करने के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया था। वहीं, उसने एक बार 'एक्ट-ब्लू' नामक एक पोलिटिकल कमेटी, जो राष्ट्रपति बाइडन की पार्टी के लिए चंदा जुटाने का काम करती है, को 15 डॉलर का दान भी दिया था, बहरहाल, इस बार ट्रंप बाइडेन पर हर प्रकार से भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, इस घटना के बाद अब उन्हें अमेरिकी नागरिकों की सहानुभूति मिलनी भी लगभग तय मानी जा रही है। इसलिए आश्चर्य नहीं कि आगामी नवंबर महीने में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप एक बार पुनः अमेरिका के राष्ट्रपति चुन लिए जाएं। यदि ऐसा हुआ तो वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनेंगे।

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आधुनिक गधे की कहानी

किसी गाँव में एक सीधा-सादा गधा रहता था, जिसका नाम गधेराम था। गधेराम बेहद मेहनती था, दिन-रात अपने मालिक के खेतों में काम करता था। गाँव के लोग उसे सम्मान की नजर से देखते थे, क्योंकि वह कभी किसी से शिकायत नहीं करता था और हमेशा अपने काम में लगा रहता था। लेकिन क्या मेहनत और ईमानदारी का जमाना सच में बीत चुका है?

एक दिन, गधेराम के मालिक ने सोचा, 'क्यों न गधेराम को शहर ले जाया जाए और वहाँ उसका इस्तेमाल किया जाए?' मालिक की यह सोच सुनकर गधेराम बहुत उत्साहित हुआ। उसने सोचा, 'शहर की चमक-धमक और आराम की जिंदगी का मजा लूंगा।' लेकिन क्या सच में शहर की चमक-धमक गाँव की सादगी से बेहतर है? गधेराम को शहर लाया गया और उसे एक बड़े उद्योगपति के हवाले कर दिया गया। उद्योगपति ने गधेराम को देखा और हँसते हुए कहा, 'यह गधा हमारे ऑफिस के लिए एकदम सही रहेगा।' अब सोचिए, एक गधे को ऑफिस में काम करने के लिए सही कैसे माना जा सकता है? क्या यह आधुनिक समाज की मानसिकता पर एक तंज नहीं है?

गधेराम को अब एक नयी जिम्मेदारी सौंपी गई - ऑफिस के कागजात और फाइलें इधर-उधर ले जाना। शहर के ऑफिस की जिंदगी बिल्कुल अलग थी। गधेराम ने देखा कि वहाँ के लोग अपने काम के लिए नहीं बल्कि अपनी चालाकी और होशियारी के लिए जाने जाते हैं। ऑफिस में सभी लोग एक-दूसरे की तारीफ करते थे, लेकिन पीठ पीछे बुराई करने से बाज नहीं आते थे। क्या यह सच में तरक्की का रास्ता है?

गधेराम ने अपने काम में पूरी मेहनत और लगन दिखाई, लेकिन ऑफिस के लोग उसे कभी गंभीरता से नहीं लेते थे। वे हमेशा उसे नीचा दिखाने की कोशिश करते थे। एक दिन, ऑफिस के एक कर्मचारी ने गधेराम से कहा, 'अरे गधेराम, तुम तो बड़े मेहनती हो, लेकिन इस ऑफिस में मेहनत से नहीं, चालाकी से काम होता है।' क्या यह सीखने की बात है या फिर एक कटाक्ष?

गधेराम ने सोचा, 'शायद मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि यहाँ कैसे काम किया जाता है।' उसने अपने आप को बदलने की कोशिश की। अब वह भी ऑफिस की राजनीति में शामिल हो गया। लेकिन क्या ईमानदारी और सच्चाई को छोड़कर सफल होना सही है?

अब गधेराम भी चालाकी और धूर्तता की राह पर चल पड़ा। लेकिन फिर भी, उसके साथियों ने उसे कभी स्वीकार नहीं किया। ऑफिस के लोग उसे पहले से भी ज्यादा परेशान करने लगे। उसे छोटे-मोटे कामों में उलझा कर रखा जाने लगा, ताकि वह कभी अपने असली काम में सफल न हो सके। गधेराम के आँखों में आँसू आने लगे। उसे अपने गाँव और वहाँ की सादगी भरी जिंदगी याद आने लगी। क्या वास्तव में सच्चाई और ईमानदारी का कोई मोल नहीं? एक दिन, गधेराम ने अपने मालिक से कहा, 'मालिक, मुझे गाँव वापस जाने दो। यहाँ की जिंदगी मेरे लिए नहीं है।' मालिक ने गधेराम की बात सुनी और उसे गाँव वापस भेजने का फैसला किया। लेकिन क्या वापस लौटने से समस्याओं का समाधान हो जाएगा?

गधेराम जब गाँव लौटा, तो वहाँ के लोगों ने उसका स्वागत किया। सभी ने देखा कि गधेराम ने शहर की चमक-धमक से क्या सीखा है। गधेराम ने गाँव के लोगों से कहा, 'शहर की जिंदगी में चमक-धमक तो बहुत है, लेकिन सच्चाई और ईमानदारी का कोई मूल्य नहीं। वहाँ हर कोई एक-दूसरे को नीचे गिराने की कोशिश करता है। लेकिन यहाँ गाँव में, सादगी और मेहनत का सम्मान होता है।' क्या यह हमारे समाज की असली तस्वीर नहीं है?

गधेराम की यह बात सुनकर गाँव के लोग भावुक हो गए। उन्होंने गधेराम से वादा किया कि वे कभी भी अपनी सादगी और ईमानदारी नहीं छोड़ेंगे। गधेराम ने भी यह वादा किया कि वह हमेशा अपने गाँव और वहाँ की सादगी भरी जिंदगी के लिए मेहनत करेगा। लेकिन क्या वास्तव में यह वादे निभाए जा सकते हैं?

यह कहानी हमें सिखाती है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, सादगी और ईमानदारी का मूल्य हमेशा बना रहता है। गधेराम की कहानी एक प्रेरणा है उन सभी के लिए जो अपनी मेहनत और सच्चाई से कभी पीछे नहीं हटते। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम वास्तव में इस प्रेरणा को अपनाते हैं? क्या हम भी गधेराम की तरह सच्चाई और ईमानदारी की राह पर चल सकते हैं? या फिर हम भी आधुनिक समाज की चालाकियों में उलझ कर रह जाएंगे?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

उस वाले टेम्पो की प्रतीक्षा में

दोस्तों, एक सपना साझा कर रहा हूँ। इस बार के लोकसभा चुनाव के दरमियां इसे पहलीबार देखा, तब से ये मेरा पीछा छोड़ ही नहीं रहा। ज्यादातर दिन में आता रहता है, कभी कभार रात में भी। अक्सर अख़बार पढ़ते, समाचार सुनते, पत्रिका पलटते हुए तो निश्चित ही मैं इस सपने में खो जाता हूँ। मैं जानता हूँ ये कभी सच नहीं होने का मगर इंसान की फितरत- एक बार कोई सपना पाल ले तो उससे पीछा छुड़ाना आसां नहीं होता। इन दिनों मैं इसी बीमारी से गुजर रहा हूँ। सपना कुछ यूं है कि श्रेष्ठीवर्य धनराज की कोठी से काले धन के बोरे भरकर निकला हुआ टेम्पो रास्ता भूल गया है। उसे किसी जननायक के घर पहुँचना था। गफलत में ड्रायवर मुझ गरीब की कुटिया में बोरे उतारकर चला गया है। बस इतना सा ख्वाब है।

टेम्पो वाली बात गल्प नहीं है भाईसाहब। किसी ऐरे-खैरे ने नहीं कहा है, उनने कहा है। हमें भरोसा है उनकी बात पर। इंटेलिजेंस तो उनकी ज़ेब में धरा रहता है। उनको सब पता है। ऑम्नी-पॉवरफुल। जिस दिन चाहेंगे सारे टेम्पो जब्त और टेम्पो मालिक कारागार में। इसके पहले कि टेम्पो चलाने पर बैन लग जाए या कि इंडिया में ड्राईवरलेस टेम्पो चलने लगे, सपना साकार हो जाए प्रभु। स्टीयरिंग घूमे तो एक बार शांतिबाबू के घर की तरफ भी घूमे। आस ड्राईवर पर टिकी है, इंसान है गफलत तो कर ही सकता है। अपन इंतज़ार में कि वो गफलत करे और टेम्पो अपन के दरवज्जे पे...कसम से उसी दिन पौ-बारह। कैसा दीखता होगा कालेधन का टेम्पो ? स्पेशिअल सीरिज के नंबर होते होंगे गाड़ी के, देख के ही समझ जाती होगी पुलिस ? रोको मत, जाने दो। क्या माल भरा है, कहाँ से चला है, कहाँ जा रहा है। दाई से पेट छुप नहीं सकता। काले चश्मेवाले दरोगाजी को सब पता। टेम्पो की नंबर प्लेट भी काली। काली प्लेट पे काले नंबर खास नज़रवाले ही पढ़ पाते होंगे। काले का अलग ही संसार। काले कारनामों पर गहरी पकड़ है दरोगा जी की। काले टेम्पो जब राईट विंग से निकलते हैं तो उनमें लता-पत्र-बेल नहीं होती। लेफ्ट वालों के बस का नहीं रहा, न टेम्पो भिजवाना या न टेम्पो मंगवा पाना। दरोगाजी काले धन के टेम्पो का चालान तो क्या ही बना पाते होंगे। किसी अर्दली ने गलती से बना दिया तो कालेपानी की सजा पक्की समझो।

वाईफ कहती है मुझे सिजोफ्रेनिया हो गया है। पता नहीं, मगर दिमाग में क्राईम अवश्य पनपने लगा है। कालेधन का टेम्पो लूटने के आरोप में शांतिबाबू गिरफ्तार जैसा समाचार मिले तो आश्चर्य मत कीजिएगा। वैसे गिरफ्तारी होगी नहीं। धन लूट का हो तो उसके लूट की एफआईआर नहीं होती, हो पाती तो धन काला ही क्यों होता, लूट का धन ज़ेब में हो तो मामला रफा-दफा करवा पाने की अकल तो आ ही जाती है।

विचार हैं कि थमने का नाम ही ले रहे। कभी शहर में तिपहिया टेम्पो चला करते थे, भटसूअर। जब नहीं बने थे तब भी काला धन तो हुआ ही करे था। काले घोड़ों वाला रथ श्रेष्ठीवर्य की अट्टालिका से निकला और राजमहल में समा गया। कोई कोई अमात्य के घर भी। सारथियों की गफलत में कितने सम्राटों के इतिहास बदल गए भाईसाहब। मैं अकिंचनजन वर्तमान बदल जाने की आस पाले बैठा हूँ।

काले धन के टेम्पो आसमान में भी चलते हैं क्या ? एयरटैक्सी टाईप। माल भरा और नॉन-स्टॉप पनामा, लिखेंस्टाईन या स्विटज़रलैंड में। मैं तो इन दिनों जब भी जिस भी दिशा से टेम्पो की आवाज़ आए, उसी समय उसी दिशा में साथ साथ दौड़ पड़ता हूँ। कभी कभी तो नंगे पाँव ही, कपड़ों का भी ख्याल नहीं रहता। कभी तो विमान का इंजिन फेल होगा। वाईफ कहती है मैं सिजोफ्रेनिक हो गया हूँ। इस बीच आकाश में चीलगाड़ी उड़ने की आवाज़ आई। हो न हो ये कालेधन से लदी चार्टर्ड फ्लाईट है। मैं कुछ दूर उपर देखते देखते उसीकी दिशा में सड़क पर दौड़ा, जब लगा कि आज नहीं गिरेगा ये तो हांफता हुआ घर लौट आया।

लेकिन भाई साहब, मैं सिजोफ्रेनिक नहीं हूँ। कितने सपने मेरे इस एक सपने पर आकर टिक गए हैं। सबसे बड़े बेटे की शादी करना बाकी है, जिद पाले है कि पापा रिहाना को बुलवाना, नाचने के लिए। अब टेम्पो आए तो रिहाना आए, वरना सुनते रहो - 'पापा आपने हमारे लिए किया ही क्या है?' छोटू थोड़ा समझदार है, पढ़ता भी ठीक-ठाक है। बाप से असंतुष्ट वह भी रहता है मगर डॉयलॉग मारकर मन नहीं दुखाता। नीट परीक्षा दी है उसने। रेंकिंग में वो उस जगह पर है जहाँ उसका एडमिशन किसी प्राईवेट कॉलेज में ही हो सकता है, डेढ़ से दो करोड़ रूपये लगेंगे। टेम्पो आए तो डॉक्यूमेंट वेरीफाई कराएं। बेटी एम्एस करने यूएस जाना चाहती है और बैंक लोन मिलेगा नहीं। और वाईफ़!! घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने। नौ हज़ार का हार खरीदने की अपन की हैसियत नहीं मगर नौलखा हार का सपना हरदम उसकी आँखों में तैरता रहता है। परिवार के कुछ साझा सपने हैं हायब्रीड एसयूवी बुक करनी है, लक्जुरियस विला खरीदनी है, यूरोप में हॉलिडेयिंग के लिए जाना है। बच्चे समझते हैं मैं अपनी जवाबदारी से बचने के लिए पागलपन का नाटक कर रहा हूँ। नहीं भाईसाहब, काले धन से भरे टेम्पो का इंतज़ार मैं उन्हीं सब के लिए तो कर रहा हूँ। सिजोफ्रेनिक नहीं हूँ, गुन्ताड़े में हूँ। छींके बिल्ली के भाग से टूटते ही हैं। एकाध टेम्पो कभी तो अपन के भी अलसट्टे में फँसे। कथित पागलपन पर वाईफ कभी गुस्सा करने लगती है तो कभी रोने लगती है। बच्चे मुँह फुलाए फुलाए घूमते हैं। सामने गैलरी में जुनेजा भाभी थोड़ी थोड़ी देर में मेरी ओर व्यंग्यात्मक मुस्कान से देख कर अपने हसबंड को पूरा वाकया बता रही है। कोई बात नहीं जुनेजा, जिस दिन सपड़ गया ना एकाध टेम्पो उस दिन तुझे तो देख लूँगा। अभी तो फिर से अखबार में, नेट पर भाग्य बतानेवाले कॉलम टटोलने लगा हूँ। धामवालों का ताबीज़ गले में और नीलम तर्ज़नी में धारण कर लिया है। एक रुद्राक्ष भी मंगवाया है, इस सप्ताह में आ जाएगा। मुतमईन हूँ, किस्मत अवश्य जागेगी, जब करण अर्जुन वापस आ सकते हैं तो काले धन से भरा टेम्पो भी आएगा। आएगा तो खाली तो अपन की कुटिया में ही होएगा।

लो आ ही गया, भट-भट की आवाज़ चौराहे की तरफ से आ रही है, मैंने उस तरफ दौड़ लगा दी है।

डेक्कन-डायरी

- डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सियासी समीकरणों का नया दौर

बात वर्णमाला के पहले अक्षर 'अ' यानि आंध्र से शुरू करें, जहां चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में तेलुगुदेशम गठबंधन हाल में सत्ता में आया है। चंद्रबाबू विजनरी-नेता हैं। वह रफ्तार और नतीजों में यकीन रखते हैं। जुलाई को वह विशाखापट्नम में एएमटीजेड के समारोह में थे। उनके सारगर्भित संबोधन ने इस बात को बरबस दर्शाया गया कि उन्हें विकास-पुरुष क्यों कहा जाता है? चंद्रबाबू ने नायाब उपलब्धियों के लिए एएमटीजेड के संस्थापक सीईओ डॉ. जितेन्द्र शर्मा की मुक्तकंठ सराहना की और पीठ थपथपायी, जिन्हें उन्होंने इस्पात संयंत्र के समीप करीब 270 एकड़ ऐसी भूमि आवंटित की थी, जहां न सड़क या पगडंड़ी थी, न चांपाकल या बिजली का खंबा, और न ही झोपड़ी या कोई रिहाइश।

यह सियासी समीकरणों का नया दौर है, दक्षिनी राज्यों में बनते-बिगड़ते समीकरणों का दिलचस्प दौर। रास्तों पर फिसलन है और वक्त की दरो- दीवार पर अटकलों के सब्जे उग आये हैं। सियासत भी परखनली की मानिंद है, जिसमें क्रियाएं लगातार होती रहती हैं। क्रियाएं तब भी बदस्तूर हो रही होती है, जब हमें सतह पर अवक्षेप नजर नहीं आता। यह भी गौरतलब है कि बहुतेरी घटनाएं इनमें उत्प्रेरक का काम करती है और पारस्परिक क्रिया-प्रतिक्रिया को मंद या तीव्र कर देती हैं। छहों दक्षिनी राज्यों में इन दिनों यही हो रहा है।

लोकसभा- चुनाव के नतीजों के बाद भी यह दौर थमा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे नये पेचीदा गलियारे में खुला है, जिसमें घुमावदार गलियां हैं और कुल्हियां भी। यही वह सन्दर्भ है, जो राजनीति में अनिश्चितता, उत्सुकता और उत्तेजना का खमीर उपजाता है।

बात वर्णमाला के पहले अक्षर 'अ' यानि आंध्र से शुरू करें, जहां चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में तेलुगुदेशम गठबंधन हाल में सत्ता में आया है। चंद्रबाबू विजनरी-नेता हैं। वह रफ्तार और नतीजों में यकीन रखते हैं। जुलाई को वह विशाखापटनम में एएमटीजेड के समारोह में थे। उनके सारगर्भित संबोधन ने इस बात को बरबस दर्शाया गया कि उन्हें विकास-पुरुष क्यों कहा जाता है? चंद्रबाबू ने नायाब उपलब्धियों के लिए एएमटीजेड के संस्थापक सीईओ डॉ. जितेन्द्र शर्मा की मुक्तकंठ सराहना की और पीठ थपथपायी, जिन्हें उन्होंने इस्पात संयंत्र के समीप करीब 270 एकड़ ऐसी भूमि आवंटित की थी, जहां न सड़क या पगडंड़ी थी, न चांपाकल या बिजली का खंबा, और न ही झोपड़ी या कोई रिहाइश। और तो और डॉ. शर्मा की चुनी इस भूमि का कोई पिनकोड नंबर भी नहीं था। लेकिन आज वहां अत्याधुनिक और चित्ताकर्षक परिसर में विश्व की 140 से अधिक चुनिंदा कंपनियां कार्यरत हैं। डॉ. शर्मा 'मेड टेक' मैन कहे जाते हैं। हेल्थकेयर की दुनिया में एएमटीजेड की अपनी प्रतिष्ठा है और उसकी बदौलत भारत वहां शीर्षस्थ देशों में शुमार है। सोचिये कि क्या यह गौरवपूर्ण और श्रेष्ठ मानकों की रचना-यात्रा चंद्रबाबू नायडू की वैज्ञानिक सोच और औदार्य के बिना संभव थी? बाबू ने इसे चिकित्सा प्रौद्योगिकी का हब बनाने का सुझाव दिया, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस की बात की, स्वर्णिम युग का आह्वान किया और जाहिर है कि हर संभव मदद का आश्वासन भी।

वाइजैग-प्रसंग का जिक्र इसलिये कि विकास के प्रति गहरी वचनबद्धता ही वह कारक है, जो अप्रत्याशित चुनाव के बाद तमाम अटकलों के घटाटोप में भी बाबू को बीजेपी से जोड़े हुए हैं। यह नये समीकरणों का का ही तकाजा है कि गहन संशयों के बीच चंद्रबाबू ने समर्थन के बदले सौदा को कोई तरजीह नहीं दी। उन्होंने टीडीपी के लिए स्पीकर या डिप्टी स्पीकर अथवा मलाईदार महकमों की कोई मांग नहीं की। उनके बयानों से साफ है कि वह प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति गहरी कृतज्ञता और पवन कल्याण के प्रति गहरी आत्मीयता से भरे हुए हैं। तय है कि त्रोइका की यात्रा जारी रहेगी। चंद्रबाबू की अभी तात्कालिक और पहली वरीयता आंध्र की वित्तीय स्थिति को पटरी पर लाना है।

उन्हें कर्ज की गठरी तले दबा जर्जर प्रदेश विरासत में मिला है, जहाँ उन्हें अपने वायदों और सपनों को अमली जामा पहनाना है। यकीनन विशेष राज्य का दर्जा (एससीएस) का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा है, जिस पर करीब पांच साल पहले उन्होंने मोदी सरकार से समर्थन वापस लिया था। बाबू बखूबी जानते है कि केन्द्र सरकार किसी भी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने के मूड में नहीं है। यूं भी यह बर्र के छत्ते में हाथ डालने जैसा होगा। 5 और 6 जुलाई को बाबू दिल्ली में थे। उन्होंने आंग्ल- दैनिक 'द हिन्दु' से बातचीत में कई मार्के की बातें कहीं। वह अपने चौथे मुख्यमंत्रित्व काल को पूर्वापेक्षा और सबसे कठिन मानते हैं। उन्होंने दो-टूक कहा कि जरूरत एसीएस की मांग से कहीं बड़ी है। सूबे में हरेक संस्थान को पुनर्रचना और पुनर्निर्माण की जरूरत है। उन्होंने खरोंच नहीं, बल्कि उसके काफी नीचे से शुरूआत करनी पड़ रही है। अपने दो दिनी प्रवास में चंद्रबाबू सुश्री सीतारमण और जेपी नड्डा समेत छह केंद्रीय मंत्रियों से मिले। उन्हें अमरावती और पोलावरम समेत समग्र विकास की चिंता है। वह बुंदेलखंड सरीखा स्पेशल पैकेज चाहते हैं। उनका कहना है कि उनके वायदे उनके नहीं, वरन त्रोइका के वायदे हैं।

चंद्रबाबू ने स्पष्ट कह दिया कि उनके और बीजेपी के दरम्या किसी 'टकराव' की हाल-फिलहाल कोई संभावना नहीं है। वह इसे बूझ रहे हैं कि बीजेपी के साथ रिश्तों में किसी तरह काटकटाव या किसी मुद्दे पर उतावलापन घाटे का सौदा होगा। आंध्र की घरेलू राजनीति का यही तकाजा है कि वह बीजेपी के साथ दोस्ताना रिश्ते कायम रखें और अपने वचनों को निभायें। यह बेतरह क्षीण हो चुकी जगनमोहन की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को कोई भी मौका नहीं देना चाहते हैं कि वह पांव जमा सके। चंद्रबाबू यह भी जानते हैं कि कांग्रेस आंध्र में वापसी के लिए लालायित और सचेष्ट है और यह भी कि स्व. राजशेखर रेड्डी के प्रति आंध्रजनों के मन में अभी भी श्रद्धा और सम्मान है। आंध्र में कांग्रेस ने पार्टी की कमान स्व. राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला को सौंपी है और उसे उम्मीद है कि वह आंध्र में कांग्रेस को पुर्नजीवित कर सकेंगी। राहुल गांधी ने 8 जुलाई को उनकी 75वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यदि वाईएसआर जीवित होते तो आंध्र की दशा सर्वथा भिन्न होती। वाईएसआर को जन-नेता निरुपित करते हुए राहुल ने कहा कि उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा। यहाँ तक कि उन्हें कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा की प्रेरणा रेड्डी गारू की प्रजा प्रस्थानम पदयात्रा से मिली थी। इसी रोज सोनिया गांधी ने भी अपना स्मृति-संदेश भेजा।

सुश्री शर्मिला लोकसभा चुनाव में असफल रहीं, किंतु कांग्रेस नेतृत्व को उनसे बड़ी उम्मीदें हैं। सुश्री शर्मिला भी लगातार पिता की विरासत के उत्तराधिकार का दावा कर रही हैं। जगन के नेतृत्व में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को हाशिये में सरकने को कांग्रेस आपदा में अवसर के तौर पर देख रही है। इसी के चलते तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कांग्रेस के पूर्व नेताओं से खुली अपील की है कि इंदिराम्मा राज्यम की मजबूती के लिए वे लोग कांग्रेस में लौट आयें।

चंद्रबाबू इस घटनाक्रम के प्रति सचेत है और वह कतई नहीं चाहेंगे कि बीजेपी और जनसेना पार्टी के साथ उनकी पार्टी के गंठजोड़ पर आंच आये। बिलाशक समीकरण बदल रहे हैं। केसीआर और जगन की पार्टियां क्रमशः तेलंगाना और आंध्र में गर्दिश के दौर से गुजर रही हैं। तेलंगाना में विधान परिषद में भारत राष्ट्र समिति के 6 विधायक कांग्रेस में शरीक हो गये हैं। इससे परिषद में कांग्रेस की सदस्य संख्या बढ़कर 12 और बीआरएस की घटकर 21 रह गयी है। डी. विट्टल (आदिलाबाद), भानुप्रसाद (करीमनगर), प्रभाकर राव (रंगारेड्डी), ई. मल्लेशाम (बोग्गावरपू) दयानंद और बासवराजु सरैया के बीआरएस छोड़ने से निश्चित ही तेलंगाना में कांग्रेस का जनाधार मजबूत होगा। दिलचस्प तौर एमएलसी दो अन्य एमएलसी के. दामोदर रेड्डी और पी. महेंदर रेड्डी भी सदन में कांग्रेस सा आचरण कर रहे हैं। खबर गर्म है कि परिषद अध्यक्ष जी सुखेंदर रेड्डी भी कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। उनका बेटा अमित रेड्डी पहले ही कांग्रेस में शरीक हो चुका है। गौरतलब है कि सुखेंदर रेड्डी कभी कांग्रेस के टिकट पर एमपी चुने गये थे। बाद में वह की बीआरएस में चले आये। इस निष्ठा-परिवर्तन की ताजा कड़ी दिल्ली में देखने को मिली, जब बीआरएस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य के. केशवराव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस ज्वाइन कर ली। इसके बाद उन्होंने अपना इस्तीफा सभापति जगदीप धनकड़ को सौंप दिया। तेलंगाना में दिनों-दिन दुबलाती बीआरएस की दिक्कत यह है कि उसकी नेत्री कविता पर केन्द्रीय एजेंसियों ने जाल कस दिया है। बीआरएस के एक विधायक प्रकाश गौड़ पहले ही पार्टी छोड़कर कांग्रेस के पाले में जा चुके हैं।

उधर कांग्रेस में नरसापुरम के पूर्व सांसद के रघुरामकृष्ण राजू की शिकायत पर गुंटूर पुलिस ने पूर्व सीएम जगन और दो पुलिस अफसरों-पीवी सुनील कुमार और सीतारामंज -नेयुलु के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज कर लिया है। ज्ञातव्य है पूर्व सांसद ने वाईएसआर सीपी छोड़कर टीडीपी का दामन थामा और अब वह उंडी से एमएलए है। उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें सन् 2021 में अमानवीय यातनाएं दी।

खिचड़ी दक्षिण के सिंहद्वार कर्नाटक में भी पक रही है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को केतली से भाप को निकलने से रोकने में मशक्कत करनी पड़ रही है। वहाँ दोनों प्रमुख संप्रदाय-लिंगायत और वोक्कालिंगा अपने-अपने राजनीतिक हितों के मान से सचेत और मुखर है। स्थिति यह है कि शिवकुमार को पार्टी नेताओं को पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर सार्वजनिक बयान न देने की चेतावनी देनी पड़ी है। इस बीच कर्नाटक के नतीजे बीजेपी लिए भले ही आश्वस्तकारी रहे हो, किंतु कर्नाटक और केंद्र के रिश्ते और बिगड़े हैं। राष्ट्रीय आपदा कोष से रकम के लिए कर्नाटक को सुप्रीम कोर्ट का द्वार खटखटाना पड़ा है। इस मद में कर्नाटक को केन्द्र से करीब 18,000 करोड़ रुपये लेने है, जबकि उसे बमुश्किल 3454 करोड़ रुपए मिले हैं। कर्नाटक का इसे ऊंट के मुंह में जीरा निरूपित करना सही है। दिलचस्प बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट में दस्तक तमिलनाडू और केरल ने भी दी है। केरल में कई बिल अभी भी गर्वनर की मेज पर अटके हैं और वित्तीय स्थिति विषम है। वाम नेताओं को डर सता रहा है कि लेफ्ट का यह आखिरी किला भी कहीं वह हाथ से गंवा न बैठे। मुख्यमंत्री स्टालिन अपने पत्ते चतराई से खेल रहे हैं। उन्होंने भी केंद्र पर मेट्रो रेल एवं अन्य परियोजनाओं के लिए फंड नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने रिटायर्ड जज सत्यानारायण की अध्यक्षता में केंद्र द्वारा पारित दंड विधानों की समीक्षा के लिए समिति का भी गठन किया है। उधर केरल में विजयन सरकार ने ईसाईयों को लुभाने को आयोग की सिफारिश लागू करने का फैसला किया है।

बेटा रखे समाज की नई नींव

हर काम की शुरुआत परिवार से ही होती है। हम यह भूल जाते है कि बेटियों की सुरक्षा की बात करते-करते हम बेटों को असुरक्षित कर रहे है। उनके भीतर के मानव मूल्य को बाहर ही नहीं आने दे रहे है। वह जितना बाहर से क्रूर हो रहे है उतना ही भीतर से टूट रहे है। यह क्रूरता उनका स्वभाव बन रही है। कभी भी किसी पर भद्दा कटाक्ष कर देना।

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

समाज के बदलते हुए स्वरूप को हम देख रहे है। हर पल एक डर रहता है की कि जाने कब क्या हो जाए? बेटियों को समय की हिदायत देना नहीं भूलते। जब तक बेटी घर वापिस ना आ जाए एक डर लगा सा रहता है। पर ऐसा क्यों है? क्यों हम बेटी पढाओ बेटी बचाओ के नारे को इतना जोर-शोर से कहने लगे है कि बेटों की परवरिश पर हम ध्यान ही नहीं दे पा रहे। क्या समाज में बेटों का योगदान मात्र वंश बढ़ाने तक रह गया है। परिवार की इज्ज़त, समाज में अपनेपन की ज़िम्मेदारी बेटों की नहीं है। हम क्यों यह भूल जाते है कि (अरे, वह तो लड़का है उसका कुछ नहीं जाएगा) यह वाक्य कहते समय हम सिर्फ उस लड़के की बात नहीं कर रहे। हम एक परिवार की, उनकी परवरिश की बात कर रहे है। तो जब लड़को से भी परिवार की इज्जत होती है तो उन्हें स्त्रियों की इज्जत करना सिखाना परिवार का ही पहला और महत्वपूर्ण काम है।

हर काम की शुरुआत परिवार से ही होती है। हम यह भूल जाते है कि बेटियों की सुरक्षा की बात करते-करते हम बेटों को असुरक्षित कर रहे है। उनके भीतर के मानव मूल्य को बाहर ही नहीं आने दे रहे है। वह जितना बाहर से क्रूर हो रहे है उतना ही भीतर से टूट रहे है। यह क्रूरता उनका स्वभाव बन रही है। कभी भी किसी पर भद्दा कटाक्ष कर देना। बहन हो या बेटी या फिर पत्नी कभी भी उस पर हाथ उठा देना। यहाँ तक की पूरे परिवार के सामने अपनी ही पत्नी का अपमान करना यह सब सामान्य नहीं है, बल्कि यह उनके भीतर के मानव के टूटने की शुरुआत है। जब भी कभी यह कहा जाए कि (कभी- कभार के झगड़े से कुछ नहीं होता, या फिर भाई है उसे ही पहले खा लेने दो) यह पहला चरण है लड़के का संवेदनहीन बनने की तरह यह उसका ही नहीं हमारा भी पहला कदम होता है,क्योंकि इस बात से हमारा बेटा ही रिश्तों से दूर नहीं होता बल्कि बेटी भी हीन भावना की तरफ बढ़ने लगती है। समाज के संतुलन को बिगाड़ने की परिवार से ही पहल करते है। बेटों के प्रति प्राथमिकता परिवार के आर्थिक, धार्मिक , सामाजिक मापदंडों से प्रेरित होती है। जो पुरुष प्रधान समाज को दर्शाती है। लेकिन इसमें हानि पुरुषों की ही है। जिस प्रकार से आजकल बेटियों को बढाने और उनके महत्व को दर्शाने की ज़बरदस्ती एक होड़ सी आ गई है। उसे देखकर विश्वास नहीं होता कि हम क्या परोस रहे है? परोस शब्द इसलिए कह रही हूँ कि एक तरफ तो पुरुष नए-नए तरीके खोज रहे है स्त्रियों के खिलाफ जिसे हम बहुत आसानी से अपने चारों तरफ हो रहे स्त्रियों के खिलाफ हो रहे आपराधिक मामलों से देख सकते है। और दूसरी तरफ खुद को आगे रखने के लिए स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती जा रही है। विवाह पद्दती को ना मानना वालों की संख्या बढती जा रही है। रिश्तों में खटास का यह हाल है कि किसी के बुरे समय में भी उसका साथ ना देने में ज्यादातर लोग मानने लगे है।

समाज का पूरा संतुलन बिगड़ रहा है। लेकिन अभी भी हम बस भेदभाव में ही लगे हुए है। हम यह समझ ही नहीं पा रहे है कि जब प्रकृति ने दोनों को समान बनाकर भेजा है। तो खुद को किससे और क्यों वरिष्ठ साबित करने पर लगे हुए है? यदि हमें समाज को उन्नति की तरफ लेकर जाना है तो सबसे पहले घर में ही लड़कों को लड़कियों के प्रति सम्मान करना सीखाना होगा। जब एक मां यहाँ तक की सास भी अपनी बेटी और बहू की भावनाओं की कद्र करना अपने बेटों को सीखाएगी तभी, वह घर से बाहर भी स्त्री को हाड-मांस का पुतला ना समझकर एक इंसान के रूप में देख सकेगा और यह उसके पुरुष से मानव बनने की शुरुआत होगी। तब पहल होगी एक ऐसे समाज की जहां प्रगति का नाम सिर्फ भौतिकवाद से ही आगे बढ़ना नहीं है बल्कि सामाजिक एवमं भान्वात्मक रूप से भी एक बेहद सफल समाज की नीव रखना है।

बेटों को बेटियों का महत्व समझाए जिससे की वह अपनी पत्नी यहाँ तक की अपनी साथी कुलीग और डेली ट्रांसपोर्ट में सफ़र करने वाली एक अनजान भी उनके साथ सुरक्षित महसूस सके। तभी यह बेटी बचाओ का नारा खत्म होगा और बेटे भी क्रूरता का दामन छोड़ समाज में अपना सही योगदान दे पाएंगे, तभी समाज के आगे बढने का असली सफर शुरू हो सकेगा।

न्याय

अवधेश कुमार

लेखक पत्रकार हैं।

मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता अधिकार, ऐतिहासिक फैसला

उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ते के संदर्भ में दिए फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित कई मुस्लिम संस्थाओं और व्यक्तियों की प्रतिक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे एक साथ तीन तलाक संबंधी फैसला पर थी। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 तथा अब भारतीय न्याय संहिता धारा 144 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान है जो सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है। निश्चित रूप से इस फैसले ने 1985 में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए शाहबानो मामले के फैसले की स्मृतियां ताजा कर दी है जब इसी तरह के फैसले के विरुद्ध देश भर में मुस्लिम संस्थाओं और संगठनों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। सबका एक ही स्वर था कि न्यायालय हमारे मजहबी मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। हमारे परिवार , शादी विवाह ,तलाक, संपत्ति आदि मामले शरिया कानून के अनुसार चलेंगे और उसमें न्यायालय का हस्तक्षेप हमें स्वीकार नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने तब शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को धारा 125 के अंतर्गत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। उसके बाद राजीव गांधी सरकार ने सन् 1986 में मुस्लिम महिला तलाक पर (अधिकारों का संरक्षण) कानून पारित कर इस फैसले को पलट दिया। उसमें इद्दत की अवधि, जो 90 दिन की होती है, के अलावा पतियों को गुजारा भत्ता देने की कानूनी अनिवार्यता से मुक्त कर दिया गया था। अब इन संगठनों और संस्थाओं की आक्रामकता में काफी कमी है,भाव लगभग वही है। क्या यह मान लिया जाए कि ये जो प्रतिक्रिया दे रहे हैं वही सही है? बिल्कुल नहीं।

वर्तमान फैसला 1986 के उसे कानून को भी कटघरे में खड़ा करने वाला है। वैसे वर्तमान फैसले में न्यायालय ने उसे कानून की भी व्याख्या की है। इस फैसले में 2019 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा एक साथ तीन तलाक रोकने के लिए बनाए कानून मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए गैर कानूनी तलाक की पीड़िता के गुजारा भत्ते के बारे में भी व्यवस्था दी गई है। वास्तव में इस कानून के पीछे भी धारणा यही थी कि मुस्लिम महिलाएं मजहब की आड़ में शोषित और पीड़ित न हों। न्यायालय की यह टिप्पणी ध्यान देने योग्य है कि गुजारा भत्ता खैरात नहीं है बल्कि महिलाओं का अधिकार है। वास्तव में इस फैसले से मुस्लिम विवाहित महिला विशेष कर तलाकशुदा मुस्लिम महिला के गुजारा भत्ता प्राप्त करने के कानूनी अधिकार पर इस फैसले से स्थिति स्पष्ट हो गई है।

हालांकि न्यायालय ने इस संबंध में कोई पहला फैसला नहीं दिया है। मुस्लिम महिला को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने के अधिकार पर पहले भी मुहर लगाई थी। इस फैसले में धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता प्राप्त करने और शाहबानो फैसले के बाद आए 1986 के कानून पर तुलनात्मक विचार किया गया है जो पहले नहीं हुआ था। तो इसका कानूनी दृष्टि से महत्व यह है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने को लेकर मौजूद कानूनी भ्रम खत्म हो गया है। मुस्लिम पुरुष इसी धारा की आड़ लेकर अपना बचाव करते थे। वर्तमान मामले में तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद ने भी इसी धारा की आड़ लेकर अपनी तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देने से बचने की कानूनी रणनीति अपनाई थी। वैसे 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में भी उच्चतम न्यायालय ने 1986 के कानून की व्याख्या करते हुए कहा था कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। उस फैसले के बाद ही अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। ध्यान रखिए डेनियल लतीफी ने ही उच्चतम न्यायालय में शाहबानो के पक्ष में वकालत किया था। उच्चतम न्यायालय ने शाहबानो मामले में 1985 के फैसले में कहा था कि धारा 125 में मुस्लिम महिला भी पति से भरण पोषण पाने की हकदार है। जब 2017 के सायराबानो मामलों में उच्चतम न्यायालय ने एक साथ तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था तो अब महिलाओं के विरुद्ध फैसला आने का कोई प्रश्न नहीं था। 2009 में भी उच्चतम न्यायालय ने मौलाना अब्दुल कादिर मदनी मामले में कहा था कि रीलिजन का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि पर्सनल लॉ संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए। 2014 के शमीम बानो बनाम अशरफ खान मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है।

अब किसी महिला को तलाक के बाद मुस्लिम पति से गुजारा भत्ता लेने के लिए न्यायालय के समक्ष न इतने चक्कर काटने पड़ेंगे और न उन्हें इस तरह शरिया कानून से लेकर कानूनों की लंबी चौड़ी व्याख्या करनी होगी। 1986 के कानून के रहते हुए भी मुस्लिम महिला को अब समस्या नहीं आएगी। 2019 के तीन तलाक विरोधी कानून तथा वर्तमान फैसला आगे से ऐसे सभी मामलों में न्यायिक फैसले का आधार बनेगा। यह मामला तेलंगाना से जुड़ा हुआ था। उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर , 2023 को मुस्लिम महिला को धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। मोहम्मद अब्दुल समद ने उसे फैसले के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि अभी अब्दुल समद के पास बड़ी पीठ में जाने का रास्ता बचा हुआ है किंतु वहां भी अलग कुछ होगा यह मानने का कोई कारण नहीं है। न्यायालय ने इसमें पहले के कई कानून और फैसलों की नए सिरे से व्याख्या कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि 2019 का मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण की धारा 5 के अंतर्गत मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है या फिर वह महिला पूर्व की दंड प्रक्रिया धारा 125 तथा वर्तमान भारतीय न्याय संगीता 144 के तहत भी गुजारा भत्ता की मांग कर सकती है। अगर गुजारा भत्ता की अर्जी लंबित रहने के दौरान ही महिला को तीन तलाक दे दिया गया है तो वह धारा 125 में या फिर अधिनियम 2019 के अंतर्गत राहत मांग सकती है। इस तरह शीर्ष न्यायालय ने 2019 के कानून और धारा 125 के प्रावधानों को भी स्पष्ट कर दिया है और कहा है कि 2019 का कानून धारा 125 में उपलब्ध राहत के अलावा है। धारा 125 और मुस्लिम महिला तलाक पर अधिकारों का संरक्षण अधिनियम 1986 दोनों के प्रावधान एक साथ लागू हो सकते हैं। न्यायालय का मानना है कि 1986 के कानून से धारा 125 में दिए गए अधिकार समाप्त नहीं होते हैं। पर्सनल लॉ के मुताबिक शादी करने वाली मुस्लिम महिला के पास दोनों कानून में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का विकल्प व अधिकार है। यानी वह दोनों कानून में राहत मांग सकती है या दोनों में से किसी एक कानून में राहत ले सकती है।

इस तरह देखें तो न्यायालय ने खंड में व्याख्या करने की जगह अब तक के सभी फैसलों और संबंधित कानूनों को एक साथ मिलाकर निहितार्थ बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। वस्तुत मुस्लिम संस्थाएं और संगठन एक साथ तीन तलाक और महिलाओं के अधिकार व गुजारा भत्ते पर अभी तक मजहब की झूठी आड़ लेकर मनमाना रवैया अपना रहे थे। अनेक मुस्लिम विद्वानों ने ही स्पष्ट किया तथा न्यायालय में साफ हो गया कि ऐसी कोई व्यवस्था शरिया में नहीं थी। भारतीय राजनीतिक व्यवस्था एवं सत्ता तंत्र की मानसिकता ऐसी थी कि मुसलमान से संबंधित सामाजिक सुधार के विषय को छूने से समस्याएं बढ़ जाएगी। सबसे ज्यादा भय मुस्लिम वोट खिसक जाने का था। राजीव गांधी को उनके लोगों ने यही समझाया तथा मुला मौलवियों से मिलाया था। तब राजीव सरकार में मंत्री रहे आरिफ मोहम्मद खान ने इसके विरुद्ध आवाज उठाई और मंत्री पद तक त्याग दिया। तब मुस्लिम समाज के अंदर उनकी सुनने वाले बहुत कम लोग थे। बाद के न्यायालयों के फैसलों ने साफ कर दिया की आरिफ मोहम्मद खान जैसे लोग ही सही थे और वही अपने समाज को सही दिशा देना चाहते थे तथा महिलाओं के गरिमा और सम्मान की रक्षा के साथ खड़े थे जो कहीं से भी इस्लाम विरोधी नहीं था दुर्भाग्य से आज भी भाजपा को छोड़ दें तो किसी राजनीतिक पार्टी ने उच्चतम न्यायालय के इस फैसले का खुलकर स्वागत नहीं किया है। सेक्यूलरवाद एवं अल्पसंख्यक संरक्षण के नाम पर झंडा उठाए हुए पत्रकारों की भी चुप्पी शर्मनाक है। कल्पना कीजिए अगर आज केंद्र की सत्ता भाजपा के हाथों नहीं होती तो सरकार कितने बड़े दबाव में होती। अब समय बदल गया है। चक्र को मोड़ कर 1985 के शाहबानो मामलों तक नहीं ले जाया जा सकता। जब तीन तलाक को ही नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद द्वारा गैर कानूनी करार देने का प्रस्ताव पारित कर दिया तो वहां से फिर पहले की अवस्था में सरकार लौटने की सोच भी नहीं सकती। आज उच्चतम न्यायालय का फैसला संसद द्वारा नहीं पलटा जाएगा। यही बदला हुआ भारत है जिसको हर स्तर पर समझने और महसूस करने की आवश्यकता है।

वन व पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार पहुंचे राजीव खंडेलवाल के निवास

● ''एक पेड़, एक नई उम्मीद'' अभियान में सहभागिता करके किया वृक्षारोपण

बैतूल। आज पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष एवं कर सलाहकार राजीव खंडेलवाल एवं युवा भाजपा नेता तथा कर सलाहकार योगी राजीव खंडेलवाल के निज निवास पर मप्र शासन के वन

एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार पधारे। इस अवसर पर स्वर्गीय जीडी. खंडेलवाल मेमोरियल ट्रस्ट, बैतूल के अभियान ''एक पेड़, एक नई उम्मीद'' में सहभागिता करते हुए उनके द्वारा निवास पर वृक्षारोपण भी किया गया। ज्ञात रहे कि ट्रस्ट द्वारा इस अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर विगत दिनों में वृक्षारोपण किया गया है।

अमरूद खाने फिर आऊंगा- राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने अमरूद का पौधा रोपा व उसके बाद उन्होंने कहा कि इसके अमरूद खाने फिर आऊंगा। इस अवसर पर अखिलेश मालवी, अंशु हर्षित शुक्ला, उपाध्यक्ष नगर पालिका चांदेला व शिवेंद्र रघुवंशी व चेतराम कासदेकर भी उपस्थित रहे।

वृक्ष गंगा अभियान, औषधीय पौधे किए वितरित

● गायत्री परिवार का महाअभियान

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा जिले में निरंतर वृक्ष गंगा अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत

सोनाघाटी में गायत्री परिवार के संतोष यादव के गृह प्रवेश कार्यक्रम में फलदार एवं औषधीय पौधों का वितरण गायत्री परिवार द्वारा किया गया साथ ही मेहमानों को भी पौधे भेंट कर पालने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर अनिल साहू एवं अर्चना वर्मा ने कहा कि गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे वृक्ष गंगा अभियान के अंतर्गत परिवार के किसी भी परिजन के घर जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ, श्रद्धांजली, पुण्यतिथि आदि कार्यक्रमों में पौधारोपण व पौधों का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व सैनिक मधु वर्मा, पर्यावरण प्रभारी मुकेश गुड्डा वर्मा, आदर्श वर्मा एवं यादव परिवार के समस्त परिजन उपस्थित थे।

मोहर्रम पर लंगर और शरबत का किया वितरण

बैतूल। लक्ष्मी चौक नगर पालिका लाइन व्यापारी संघ द्वारा माहे मोहर्रम की दस तारीख को लंगर और शरबत वितरण का आयोजन किया गया। जहां हजारों की संख्या में लोगो ने लंगर और शरबत पाया। बताया जा रहा है कि नपा लाइन के व्यापारी संघ द्वारा प्रतिवर्ष हजरत इमाम हुसैन की याद में लंगर बांटा जाता है साथ ही सभी आने जाने वाले लोगो को बैठा कर लंगर खिलाया जाता है। व्यापारी संघ के महफूज भाई,अप्पू भाई, सोयब भाई,लक्की भाई इकबाल भाई, शहजाद भाई आदि के द्वारा आयोजन किया जा रहा है।

चलती बाइक पर बिजली गिरने से पत्नी की मौत, पति घायल

बैतूल। बाइक पर सवार होकर खेत से घर लौट रहे एक दम्पत्ति की बाइक पर आकाशीय बिजली गिर गई जिससे पत्नी की मौत हो गई वहीं पति घायल हो गया। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कछार की है। शाहपुर टीआई जयपाल इवनाती ने बताया कि ग्रामीण हरि सिंह पत्ती कस्तूरी के साथ बाइक से खेत से घर लौट रहा था। बीच बारिश शुरू हो गई। अचानक चलती बाइक पर बिजली गिरी और पति-पत्नी बाइक से गिरकर बेहोश हो गए। पति को कुछ देर बाद होश आया तो पत्नी मृत थी। हरिसिंह ने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों और अन्य ग्रामीणों को दी, जिसके बाद लोग मौके पर पहुंचे और कोटवार ने शाहपुर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पति ने बताया कि फसल में खाद डालने गए थे। हमारे दो बच्चे हैं।

वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ शासकीय भुगतानों में भारी अनियमितता करने का आरोप

आवेदक प्रेमशंकर मिश्रा ने खोली वन विभाग के भ्रष्टाचार की पोल, राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- मामलों का समाधान नहीं होने पर लगातार आमरण अनशन जारी रखने की दी चेतावनी
- सरकारी वाहन में इमारती लकड़ी चोरी का मामला, निलंबित करने के बाद भी पुनः पदस्थ

बैतूल। बैतूल के दुर्गा वार्ड कोठीबाजार निवासी प्रेम शंकर मिश्रा ने वन विभाग के भ्रष्टाचार की पोल खोलते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। मिश्रा का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारी शासकीय भुगतानों में भारी अनियमितताएं और भ्रष्टाचार कर रहे हैं। उन्होंने पीएन. मिश्रा वन संरक्षक और अन्य अधिकारियों पर सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 को खत्म करने का आरोप लगाया है। मिश्रा का दावा है कि भ्रष्टाचार की शिकायतों के बावजूद दो वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आमरण अनशन की चेतावनी देते हुए श्री मिश्रा ने राज्यपाल से न्याय की गुहार लगाई है। वन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की शिकायत करते मिश्रा का कहना है कि वनमण्डलाधिकारी उत्तर बैतूल और अन्य अधिकारियों ने शासकीय भुगतानों में

अवैध वेतन भुगतान और निलंबित अधिकारी की पुनः नियुक्ति

प्रेम शंकर मिश्रा ने आरोप लगाया कि भीमा मंडलोई, वन क्षेत्रपाल पर सरकारी वाहन में इमारती लकड़ी चोरी का आरोप है। उन्हें निलंबित करने के बाद पुनः पदस्थ किया गया। वहीं गणेश पवांर को पद से मुक्त होने के बावजूद अवैध रूप से वेतन भुगतान किया जा रहा है। इस संबंध में जब हमारे संवाददाता ने वन विभाग के इन जिम्मेदार अधिकारीयो को फोन लगाया, तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ था।

भारी अनियमितताएं की हैं। अगस्त और सितम्बर 2022 की जनसुनवाईयों में इन अनियमितताओं की शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पी.एन. मिश्रा, वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 को अवैध रूप से समाप्त करा दिया है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों को निरस्त कर दिया गया है और अपील सुनवाई में देरी की गई है। सुधांशु शेखर, वनमण्डलाधिकारी उत्तर बैतूल ने आरटीआई अपील की सुनवाई और निराकरण में देरी की, जबकि जमाल सिंह धारवे ने सूचना आयोग के आदेश का पालन ही नहीं किया है। सोपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि भीमा मंडलोई, वन क्षेत्रपाल पर सरकारी वाहन में इमारती लकड़ी चोरी का आरोप है, जिन्हें निलंबन के बाद पुनः पदस्थ किया गया है। वहीं गणेश पवांर को पद से मुक्त होने के बावजूद अवैध रूप से वेतन भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक इन मामलों का समाधान नहीं होता, वे आमरण अनशन जारी रखेंगे। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि उन्होंने केन्दीय संसद के सभापति ओम बिड़ला, मुख्यमंत्री म.प्र. शासन डॉ. मोहन यादव, वनमंत्री नागर सिंह और अन्य प्रमुख अधिकारियों को भी भेजी है।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का खुला उल्लंघन

सोपे गए ज्ञापन में पी.एन. मिश्रा, वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल पर आरोप है कि उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 को अवैध रूप से समाप्त करा दिया। आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों को झूठे बहानों से निरस्त कर दिया गया। सुधांशु शेखर, वनमण्डलाधिकारी उत्तर बैतूल ने भी आरटीआई अपील की सुनवाई और निराकरण में देरी की।

जहां कर्मचारी भी स्नान-पूजन कर बनाते हैं दुकान के लिए फलाहार

सागर चढ़ोकार के ब्रेकफास्ट व्हीकल में सात्विक फलाहार

सुनील द्विवेदी, बैतूल। आज देवशयनी एकादशी है और इस महत्वपूर्ण एकादशी को अधिकांश लोग उपवास रखते हैं। उपवास में अनाज से परे फलाहार पर जोर रहता है इसमें साबूदाना और भगर आदि की खिचड़ी लोगों को बड़ी प्रिय है। ऐसे में साबूदाना के बड़े और खिचड़ी की कई दुकानें देखने को मिलती है। लेकिन उपवास में सात्विक फलाहार के लिए लोगों की पहली पहंद चढ़ोकार नाश्ता प्वाइंट है। यहां न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि सात्विक फलाहार लोगों को मिलता है।

इसके संचालक सागर चढ़ोकार बताते हैं कि आजकल काफी लोग दिन-प्रतिदिन व्रत रखते हैं। सभी के मन में अपने इष्ट देवता के लिए श्रध्दा रहती है। ऐसे में हमारी कोशिश रहती है कि उनको सात्विक और पवित्र फलाहार प्रसाद स्वरूप में स्वादिष्ट मिले। बैतूल में इटारसी रोड पर रहने वाले युवा व्यवसायी सागर चढ़ोकार बताते हैं कि वे प्रतिदिन सुबह 4 बजे उठकर स्नान-ध्यान, जाप और पूजन करते हैं। उनके सहयोगी कर्मचारी भी सुबह स्नान आदि

करके आते हैं। इसके बाद खिचड़ी आदि तैयार कर भोग लगाते हैं। तब ही सुबह 8 से शाम 8 बजे तक कारगिल चौक फर मूर्ति के पास अपना नाश्ता व्हीकल खड़ा करते हैं। नाश्ते में फलाहारी के अलावा भी वो ब्रेड पकौड़ा आदि बनाते हैं लेकिन सभी के बर्तन आदि अलग रखते हैं ताकि फलाहार पूर्णरूप से सात्विक रहे। साथ ही फलाहार बनाने की सामग्री भी विशेष रूप से बुलवाते हैं ताकि उनके ग्राहकों का स्वास्थ्य भी बेहतर रहे।

मां ताप्ती का आशीर्वाद है: सागर चढ़ोकार का मानना है कि सूर्यपुत्री मां ताप्ती और सूर्यमंदिर सिमोरी रोड वाले गुरूजी का आशीर्वाद और प्रेरणा है जिसके चलते उनके पास एक-एक कर अब चार नाश्ता व्हीकल हो गए हैं। उनकी कोशिश है कि सभी फलाहारियों को सबसे उत्तम हर तरह का फलाहार दे सकें और फोन आदि के माध्यम से घर बैठे ही पहुंचा सकें।

साप्ताहिक बाजार के मुख्य संपर्क मार्ग में भरा कीचड़

लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

बैतूल / भौरा। नगर के साप्ताहिक बाजार का मुख्य संपर्क मार्ग बहुत दिनों से खराब पड़ा हुआ है तथा इस समय बरसात के मौसम में रास्ते मे कीचड़ भर जाने से प्रति शुक्रवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार में लोगों को आने-जाने में बहुत परेशानी हो रही है। इसके साथ ही विशेष रूप से कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों एवं बच्चों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते में कीचड़ फैले होने के कारण बच्चों के जूते-चप्पल कीचड़ में भिड़ जाते हैं। इस कारण ऐसे ही उन्हें विद्यालय आने-जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अक्सर बच्चे फिसल कर गिर भी जाया करते हैं। हॉट बाजार मार्ग की नियमित सफाई एवं नाली ना होने के कारण हल्की सी बरसात होते ही मार्ग में पानी भर जाने के कारण कीचड़ फैल गया है, तो वहीं इस समय बारिश होने से स्थिति और बद से बद्तर हो गई है। इसी मार्ग पर कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, साप्ताहिक हाट बाजार के साथ ही पटेल वार्ड आदि होने से लोगों का चौबीसों घंटे आना जाना-लगा रहता है। इस मार्ग के निर्माण के लिए चार-पांच वर्षों से कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित ग्राम पंचायत को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया। स्कूली बच्चों के आने-जाने में परेशानी को ध्यान में रखते हुए लोगों द्वारा मार्ग से तुरंत कीचड़ साफ कराये जाने की मांग की गई है। हमारे संवाददाता द्वारा व्यापारियों की शिकायत पर सचिव राजेश उइके एवं सरपंच मीरा धुर्वे से संपर्क किए जाने पर दो दिनों में समस्या का समाधान करने को कहा गया था परन्तु आज 15 दिन बीत जाने के बाबजूद भी कोई समाधान नहीं किया गया ।

वार्ड 3 में नाली के पानी की निकासी बंद होने से गंदे पानी का जलभराव

बैतूल/शाहपुर । शाहपुर नगर के वार्ड क्रमांक 03 की पार्षद नीतू गुप्ता द्वारा अपने वार्ड में नाली निर्माण के संदर्भ में सीएमओ को पत्र लिखे एक साल हो गया । लेकिन जमीनी विवादो के चलते नाली आज तक नही बनी । अब वर्षा काल का दौर प्रारंभ हैं, जिससे लोगो की परेशानियां दोगुनी हो गई है । नगर परिषद शाहपुर के वार्ड क्र. 03 में गुड्डू वर्मा के घर से हरदू लाला दरबार तक दोनो ओर नाली निर्माण की आवश्यकता है। जिससे की निस्तार का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, साथ ही गड्ढों में भर रहा है । जिससे बीमारियों का खतरा भी है। वार्ड क्रमांक 3 में पानी की निकासी के लिए कच्ची नाली की खुदाई की गई थी जिसे अज्ञात कारणों से पुर दिया गया । नाली में पानी की निकासी नहीं होने से वाहन फस रहे हैं लोग गिर रहे हैं। गौरतलब है कि वार्डवासियों द्वारा पिछले साल से कई बार अपनी इस समस्या को लेकर नगर पंचायत में कई शिकायत कर चुके हैं, लेकिन जमीन विवाद के चलते उनका कोई हल अभी तक नहीं निकल

पाया है । वार्ड पार्षद ने बताया कि बीते साल से उनके वार्ड में अभी तक कोई नाली नहीं बन पाई है, जिससे लोग परेशान हैं । घरों तक पहुंचने के लिए नाली के पानी में से घर तक पहुंचा जा रहा है।अभी तक उसका कोई हल नहीं निकल पाया है। नाली का निर्माण अति आवश्यक है। सामान्य वर्षा होने पर भी सड़क पर जलजमाव की स्थिति हो जाती है। इससे लोगों का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों से भी आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने जिसमें हर वक्त घरों का गंदा पानी भरा रहता है। इससे लोगों को आवाजाही करने में काफी परेशनियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ अरुण श्रीवास्तव का कहना हैं कि वार्ड क्र 3 पर नाली के पानी को निजी भूमि बताकर पानी निकासी को अवरोध किया जा रहा है जिससे जलभराव हो रहा है । एक व्यक्ति द्वारा नाली के पानी को निकलने से रोका जा रहा है । मौके पर निराकरण के लिए नगर परिषद टीम सहित तहसीलदार मैडम भी गई हुई थी। तहसीलदार के संज्ञान में यह मामला है । मामले का निराकरण तहसीलदार द्वारा किया जावेगा । उनके आदेश के बाद ही हम कुछ कर सकते हैं ।

गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल है बैतूल बाजार का ढोके परिवार

● एक मन्नत से शुरू हुआ था ताजिया बनाने का सिलसिला

बैतूल। हमारे देश मे गंगा जमुनी तहजीब की कई मिसालें देखने मिल जाती हैं। कहीं दशहरे पर रावण के पुतले हसीब भाई बनाते हैं तो कहीं रामलला और ठाकुरजी के वस्त्रों पर जरी गोटे की नक्काशी का काम मुस्लिम परिवार कर रहे हैं। ऐसा ही एक परिवार मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में है जिनकी सात पुश्तें मुहर्रम पर्व ठीक उसी तरह मनाते आ रही हैं जैसा मुस्लिम समुदाय मनाता है। बैतूल जिले की नगरपरिषद बैतूल बाजार का ढोके परिवार हर वर्ष मुहर्रम पर सुंदर ताजिया बनाकर तैयार करता है। परिवार के सभी सदस्य मिलकर मुहर्रम की पहली तारीख से ताजिया बनाना शुरू करते हैं और नौवीं तारीख तक ताजिया तैयार हो जाती है। पूरा परिवार मिलकर ताजिया की विधिवत पूजा करते हैं और मुहर्रम के मुख्य जुलूस में

ताजिया लेकर शामिल होते हैं। इस दौरान सैकड़ों मुस्लिम धर्मावलंबियों का भी उनके घर आना जाना लगा रहता है। ढोके परिवार के मुखिया शंकर राव बताते हैं कि कई पीढ़ियों पूर्व उनके पूर्वज एक अजीबोगरीब अभिक्षाप से पीड़ित थे। उनके घर मे किसी भी शिशु की जन्म के बाद उसकी अज्ञात कारण से मौत हो जाती थी जिससे पूर्वज काफी चिंतित रहते थे। फिर किसी पीर फकीर की सलाह पर पूर्वजों ने मन्नत मांगी की यदि परिवार इस अभिक्षाप से मुक्त हो जाए तो वे हर साल मुहर्रम पर ताजिया बनाकर पूजा करेंगे। मन्नत के कुछ ही समय बाद ढोके परिवार में खुशियां लौटने लगीं और जन्म लेने वाले शिशुओं की मौत का सिलसिला रुक गया और उनके वंश पर लगा दाग मिट गया। बस इसी के बाद से अब तक लगभग 200 वर्ष हो चुके हैं जब ढोके परिवार हर साल ताजिया बनाकर पूजा पाठ करते आ रहा है।

हिन्दू होने के बावजूद ढोके परिवार के लिए मुहर्रम कितना खास है ये इस बात से साबित होता है कि मुहर्रम के दौरान पूरे दस दिनों तक परिवार की चारों बेटियां अपने ससुराल से आकर मायके में रहती हैं और ताजिया बनाने में सहयोग करती हैं। लगभग 7 फीट ऊंची ताजिया को रंगबिरंगी झालरों, मोतियों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाता है। बड़े और बच्चे पूरे उत्साह और भाव से ताजिया बनाते हैं। बैतूल जिले मे गंगा जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल है बैतूल बाजार का ढोके परिवार। इनकी इबादत ये बताने के लिए पर्याप्त है कि राजनीतिक मंचों से नेता जातिवाद का कितना भी विष उगल दें, लेकिन भारतीय समाज मे सामाजिक समरसता हर विष को अमृत बना देती है।

आरईएस के अधिकारियों की लापरवाही की सजा भुगत रहे ग्रामीण

बैतूल। आरईएस के अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा भुगत रहे ग्रामीण,3 माह पूर्व बनना था तिरमहु से सोनतलाई सुदूर सड़क,घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों की आपत्ति के बाद रोक काम,अब दलदल में तब्दील हो गया मार्ग,ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है हर एक विभाग के अधिकारियों की ठेकेदारों से मिलीभगत के चलते आमजन को आये दिन परेशान देखक जाना आम सी बातें हो गकी है दफ्तरों के चक्कर काटते काटते चप्पल घिस जाती है पर विभागीय अधिकारियों के कान पर जूं तक नही रेंगती अभी कुछ माह पूर्व आमला ब्लाक के ग्राम तिरमहु ग्राम से ताजा मामला सामने आया था। जहाँ लगभग 65 लाख की लागत से तिरमहु से सोनतलाई सुदूर सड़क का निर्माण आर ई एस विभाग द्वारा किया जाना था जो काम शुरू हुआ था जिसमें एक्सपायर सीमेंट और पुरानी पुलिया को नया बताकर लाखों रुपयों की बंदरबांट किये जाने ग्रामीणों ने आपत्ति लगाई थी। जिसके बाद विभाग द्वारा सड़क का काम बंद कर

दिया गया अब सड़क की पुरानी पुलिया जिसे विभाग द्वारा नया बताया गया था वह भी खिसक गई है उसमें दरारे आ गई है इस तरह के अधूरे और घटिया निर्माण का खामियाजा ग्रामीण जन भुगतने को मजबूर है। आज यह मार्ग दल दल में तब्दील हो चुका है यहाँ मोटरसाइकिल तो दूर की बात पैदल चल पाना भी दूभर हो गया है परेशान ग्रामीणों ने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि जल्दी से और अच्छी गुणवत्ता वाली सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवाया जाए और इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर उचित कार्यवाही की मांग ग्रामीणों ने की है उनका कहना है यदि कोई भी कार्यवाही नही की जाती तो आगे चक्काजाम और धरना जैसे आंदोलन करने को ग्रामीण जन बाध्य होंगे।

समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय के अध्यक्ष मनोनीत

सुबह सवेरे सोहागपुर। समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उल्लेखनीय है उक्त पद प्रदेश के विख्यात गृहस्थ संत पंडित मनमोहन मुदगल के ब्रह्मलीन होने से उक्त अध्यक्षीय पद रिक्त था। इस संबंध में महाविद्यालय की शासी समिति के अध्यक्ष कैलाश पालीवाल ,सचिव हमीरसिंह चंदेल, वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मी नारायण सोनी, विख्यात बुन्देली कवि पंडित राजेंद्र सहरिया , अभिषेक जैन ,विजय अग्रवाल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अभिलाषसिंह चंदेल नेता वकील गोपाल माहेश्वरी , वकील महेश पचौरी आदि उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि श्री अग्रवाल की गिनती उत्कृष्ट वक्ता के रूप में विख्यात हैं।आप धार्मिक, राजनैतिक एवं इतिहास पर धाराप्रवाह उद्बोधन देने के लिए जाने जाते हैं। आप सरस्वती शिशु मंदिर की नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति के अध्यक्ष भी हैं। जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय के अध्यक्ष मनोनीत होने पर वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटैल, पूर्व पार्षद लक्ष्मी नारायण सोनी, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, कृष्णा पालीवाल, राजा भैया पटैल, संजीव दुबे,अभिषेक जैन,जीवन जी दुबे, पूर्व व्यापारी संघ अध्यक्ष मुकेश मालवीय आदि स्नेहियों ने श्री अग्रवाल को बधाईयां दी हैं।

इंदौर में अंतरराष्ट्रीय मुशायरा 28 को

मोहन वर्मा। इंदौर की साहित्यिक, सांस्कृतिक और सांगीतिक संस्था 'अदब की महफिल' पूरे साल संगीत और कला प्रेमियों के लिए आयोजन करती है। इसी कड़ी में संस्था की 11 वी सालगिरह के मौके पर 'अदब की महफिल' द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन किया जा रहा है। 28 जुलाई रविवार शाम 5 बजे लाभ मण्डपम में होने वाले इस मुशायरे में देश विदेश के ख्यातनाम शायर,नौमान शौक नोएडा, मदनमोहन दानिश ग्वालियर,अबरार काशिफ अमरावती,मुकेश आलम लुधियाना, सैय्यद सरोश आसिफ आबुधाबी,सुंदर मालेगांवी,जुबैर ताबिश जलगांव, इकरा अंबर गाजियाबाद तथा अश्वनी मित्तल मुंबई शिरकत करेंगे।

मुहर्रम पर्व पर दृष्टिहीन बालिकाओं को भोजन कराया

देवास। दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में मुहर्रम पर्व पर दृष्टिहीन बालिकाओं को भोजन और मिठाई बाटी गई। नईम एहमद ने बताया कर्बला की लड़ाई में इमाम हुसैन ने इंसानियत को बचाया था, इसलिए मोहर्रम को इंसानियत का महीना माना जाता है। इमाम हुसैन की शहादत और कुर्बानी की याद में मोहर्रम मनाया जाता है। इमाम हुसैन की शहादत की याद में मध्य प्रदेश दृष्टिहीन विद्यालय पर कार्यक्रम रखा गया । आज हमने भी एक कदम नेकी की तरफ बढ़ाकर अपना फर्ज निभाया और जो लोग दुनिया नहीं देख पाते है उनके साथ मोहर्रम पर्व मनाया गया, इस अवसर पर समाजसेवी अफजल खान (प्रकाश) ,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंडित रितेश त्रिपाठी संस्था ब्राइट स्टार स्कूल अध्यक्ष सैयद मेशहर (जुगनू), विजय सिंह चौहान (मोनू) , सरफराज अहमद सिद्दीकी ,दिलनवाज, मोहन भाई ,अशरफ नागोरी, श्याम गोस्वामी ,अब्दुल मलिक, मनोज कुशवाह, वसीम खिलजी। आभार उबेद शैख ने माना।

यह भी खूब..

माल तुलवा रहे साहब नौकरी जा रही सर्वेयर की..?

नर्मदापुरम। अपनी हरकतों से जिले में थू थू का विषय बन चुके उपसंचालक कृषि के कारण एक दिन पहले 17 सर्वेयर और एक सुपरवाइजर को नौकरी से निकाल दिया गया। सेवा से पृथक किए गए इन बेचारों पर आरोप है कि इन्होंने हैण्ड लिग चालान की गुणवत्ता समय पर नहीं किया, एफ.ए.क्यू. मापदंड अनुसार खरीदी नहीं की.. बस इसलिए सेवा से पृथक कर दिए गए। इसका एक प्रेस नोट बाकायदा जनसंपर्क अधिकारी को भेजकर अपने हाथों अपनी पीठ थपथपा ली। एक दिन पहले ही पीएस ने यहां उपार्जन केन्द्रों पर मूंग खरीदी का निरीक्षण किया और नियम विरुद्ध की गई खरीदी पर नाराजगी जताते हुए सर्वेयरों के सर पर नारियल फोड़ा। दोषी जबकि खुद डिप्टी डायरेक्टर ऐग्रिकल्चर है। 15 जुलाई को तो साहब ने केसला बीटीएस को फोन किया कि ट्राली का माल तुलवा लें। बीटीएम ने जबाव दिया साहब उसमें पूरी मिट्टी मिली हुई है। कहा ना तुलवा लो अब बीटीएस के पास इतना साहस कहां कि मिट्टी युक्त मूंग तुलवा नहीं पाये ऐसा एक जगह नहीं कई जगहों पर हुआ। अगर 15 तारीख की काल डिटेल निकलवाई जाए तो उपसंचालक कृषि और केसला बीटीएम की बातचीत निकल आयेंगी। दरअसल उपसंचालक यहां सबकी नस जान गये। कलेक्टर को अपने वश में रखो फिर बाद में किसी को रोने मत दो। कलेक्टर नीरज सिंह के समय पर ही ऐसा कुछ हुआ था। रंगरलियां मनाते साहब की शिकायत हुई साहब के सरपरस्त अधिकारी की जांच डिप्टी कलेक्टर कोरी ने की मामला रफा-दफा हो गया.. मामला दबाने के लिए संबंधित महिला को मिट्टी परीक्षण केंद्र भेज दिया। जिसका वेतन मिट्टी परीक्षण केंद्र से बाकायदा निकल रहा। साहब के बंगले पर पहले गुलाबी गाड़ी जाती थी और अब सफेद मेस्ट्रो जाने लगी.. कलेक्टर की अनदेखी का दोहन कर रहे उपसंचालक कृषि खरीदी उपार्जन केन्द्र बनाने वेयरहाउस संचालकों से मोटी रकम वसूल लेते फिर खराब माल खरीद वाकर उन्हें ब्लैकमेल करते खराब माल खरीदी जांच में लेकर उन पर एफआईआर कराने की धमकी देकर डराते, इस मामले में अकेले उपसंचालक कृषि नहीं इनके साथ वेयरहाउसिंग प्रबंधक गावंडे भी शामिल हैं जहां जांच करते निकलता कुछ नहीं वह तो पीएस ने होशंगाबाद, निटाया इटारसी में निरीक्षण कर गोलमाल पकड़ा और अधिकारी ने बचने के लिए सर्वेयर निपटा दिया।

ईमाम हुसैन की याद में मनाया गया मोहर्रम का पर्व

धार। धार शहर में ईमाम हुसैन की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया गया । लोभान की खुशबू से महक रहे थे ताजिए। अकीदतमंदों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक ताजियों का निर्माण किया था। धार शहर भर में पुलिस प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था की थी।

अजीज खान का हज से वापिस आने पर भव्य स्वागत

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ पार्षद अजीज खान सपत्नीक किलापुरा निवासी मजीद खान की सपत्नीक एवं गांधी वार्ड निवासी लतीफ खान की सपत्नीक आज हज करने के उपरांत सोहागपुर वापसी हो गई। उल्लेखनीय है कि श्री खान करीबन 45 दिनों से अधिक समय मक्का मदीना धार्मिक यात्रा पर निकले थे। आज नगरागमन पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व पार्षद लक्ष्मी नारायण सोनी,वरिष्ठ पार्षद जमील खान, कांग्रेस नेता नीरज चौधरी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल, अनोज जायसवाल, मक्का मदीना से अपने देश वापस आ गए हैं, हज यात्रा से वापसी पर इनका गृह नगर एवं एवं वार्ड में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान संतोष मालवीय जी, आलोक जायसवाल, गजेंद्र चौधरी, पार्षद जमील खान पार्षद प्रतिनिधि वसीम खान, हाजी शमीम पत्रकार, हाजी नईम गुड्डू भाई, हाजी अब्दुल रशीद, बशीर मैनेजर, हाजी शहीद, इदरीश भाई ,खालिक पहलवान आदि शुभचिंतकों, वार्डवासियों एवं रिश्तेदारों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर हाजियों का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर से बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ता है

विपरीत परिस्थितियों से बचने के गुर सिखाएं

देवास। संस्था आस द्वारा सीआरवाय (चाइल्ड राइट्स एंड यू) प्रोजेक्ट के तहत शासकीय माध्यमिक स्कूल धनोरा में एक्सपर्ट मास्टर सईद आलम ने सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी। इस शिविर में अन्य स्कूल की छात्राओं ने भी भाग लिया। संस्था आस के डायरेक्टर वसीम इकबाल ने कहा कि देश के प्रसिद्ध सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट मास्टर सईद आलम ने बेटियों को दुश्मन पर काबू पाने की आसान तकनीक बताई। साथ ही उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पेन, चाभी, हेयर पिन और दुपट्टा को आत्मरक्षा के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना सिखाया। प्राचार्य तेजसिंह राजपुत ने प्रशिक्षण शिविर में दी गई तकनीकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चे, लड़कियां और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखना चाहिए। सीआरवाय चाइल्ड राइट्स एंड यू के प्रॉजेक्ट कोऑर्डिनेटर यास्मीन खान ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर से बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। समापन समारोह में भूमिका चौधरी, सोनाली पटेल, जीविका पटेल, वंशिका चौधरी, लक्ष्मी चौधरी, ईशानी यादव, अर्पिता रावत, आस्था रावत, संजू जोशी, तनीषा चौधरी, वैशाली चौधरी, वर्षा चौधरी, प्रतिज्ञा पटेल, ऋषिका ठाकुर, माही पटेल और सुलोचना रावत ने बचाव के तकनीकों का शानदार प्रदर्शन किया। प्राचार्य तेजसिंह राजपुत ने सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट मास्टर सईद आलम और सहायक कोच अब्दुल राशिद को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक संतोष वर्मा, नम्रता नेमा और कुं. चेतना जामले खास उपस्थित थे। संचालन अंतिम झाला ने किया। आभार धर्मेन्द्र रावत ने माना।

फर्जी नाम से परीक्षा देने वाले आरोपी को कारावास व अर्थदण्ड की सजा

देवास। कृष्णाजीराव पवार महाविद्यालय में दिनांक 13/3/2019 को दोपहर 11 से 2 बजे के मध्य बी ए द्वितीय वर्ष की राजनीति विज्ञान के प्रथम प्रश्न पत्र परीक्षा में दिलवर सिंह के नाम से परीक्षा देने वाले आरोपी नरेंद्र सिंह राजपूत व दिलवर सिह के विरुद्ध तृतीय सत्र न्यायालय में सत्र प्रकरण क्रं. 62/2023 अपराध धारा 419, 420, 465, 468, 471 भारतीय दण्ड संहिता व मप्र मान्यता प्राप्त परीक्षा अधि. 1937 की धारा 4 सह पठित धारा 3- घ के अन्तर्गत प्रकरण का विचारण पूर्ण होकर दिनाक 16/7/2024 को माननीय तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार पाटीदार के न्यायालय ने पुलिस थाना नाहर दरवाजा के अपराध क्र 72/2023 म प्र शासन ङ्क नरेन्द्र सिंह व दिलवर सिंह के प्रकरण मै शासन की ओर से प्रस्तुत समस्त साक्षीयो के कथनो व दस्तावेज से प्राप्त साक्ष्य का मुल्याकन कर अपना निर्णय खुले न्यायालय मै सुनाते हुऐ आरोपी नरेन्द्र सिंह को दोषी पाया गया। उसे धारा 419 में 3 वर्ष का सश्रम कारावास 2000/- अर्थ दण्ड, धारा 420 में 4 वर्ष का सश्रम कारावास 2000/- अर्थ दण्ड, धारा 465 में 2 वर्ष का सश्रम कारावास 2000/- अर्थदण्ड, धारा 468 में 4 वर्ष का सश्रम कारावास 2000/- अर्थदण्ड, धारा 471 के अपराध में 2 वर्ष का सश्रम कारावास 2000/- अर्थ दण्ड मप्र मान्यता प्राप्त परिक्षा अधि. 1937 की धारा 4 सह पठित धारा 3- घ में 2 वर्ष का सश्रम कारावास 1000/- अर्थदण्ड आरोपी को दी गई। सभी सजायें साथ-साथ भुगतायी जायेगी । आरोपी दिलवर सिंह साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त घोषित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण में सफल अभियोजन अतिरिक्त लोक अभियोजक मनोज श्रीवास (शासकीय अभिभाषक) ने किया।

इस्कॉन मंदिर की भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा आज

विशेष प्रवचन के साथ लगेगा छप्पन भोग

देवास। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी इस्कॉन मंदिर देवास द्वारा भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन 18 जुलाई को दोपहर 2 बजे किया जा रहा है। इस्कॉन देवास के आनंदमय दास ने बताया कि रथ यात्रा दोपहर 2 बजे रामेश्वर धाम मंदिर राम मंदिर से प्रारंभ होकर एबी रोड, सयाजी द्वार, तहसील चौराहा, नावेल्टी चौराहा, सुभाष चौक, जनता बैंक चौराहा, शालिनी रोड होते हुए मंडी धर्मशाला पहुंचेगी, जहां रथ यात्रा का विश्राम होगा। रथ यात्रा में प्राणेश्वर दास प्रभुजी रीजनल सेक्रेटरी इस्कॉन मप्र एवं गुरुदेव महामन प्रभुजी झोनल सेक्रेटरी इस्कॉन मप्र का सानिध्य प्राप्त होगा। रथ यात्रा के समापन अवसर पर मंडी धर्मशाला में विशेष प्रवचन होंगे। साथ ही छप्पन भोग अर्पण के साथ शाम 7.30 बजे मंडी धर्मशाला में महाप्रसादी का वितरण होगा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रसंग, शास्त्रीय नृत्य, सुंदर भक्तिमय वाटिका, बच्चों की गतिविधियां, स्वादिष्ट मिठाई प्रसादम स्टॉल एवं पुस्तक स्टॉल आदि आयोजन होंगे।

भाजपा मंडल कार्यकर्ता सुनिश्चित कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करें : सावित्री ठाकुर केंद्रीय रायमंत्री

भाजपा राजगढ़ नगर मंडल की आवश्यक बैठक संपन्न

धार। भारतीय जनता पार्टी धार जिले के राजगढ़ नगर मंडल की आवश्यक बैठक मंगलवार को हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित की गई जिसमें आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया गया साथ ही लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत पर बूथ के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में केंद्रीय राजयमंत्री सावित्री ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सावित्री ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 29 सीटे जीतकर इतिहास रचा है। इस लोकसभा क्षेत्र में दो लाख से अधिक मतों विजय होने पर मैं सभी मतदाता बंधुओ, माताओ एवं बहनों का हृदय से अभिनंदन के साथ-साथ आभार व्यक्त करती हूं। उम्मीद करती हूं कि जनता ने जो प्रचंड जनादेश दिया है हम उस पर खरे उतरेंगे। भाजपा मंडल का प्रत्येक कार्यकर्ता सुनिश्चित कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। इस दौरान बैठक में मंचासीन भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी विश्वास पांडे,पुर्व संगठन जिला मंत्री उमाकांत भार्गव,भाजपा नेता राजेंद्र गर्ग ,नवीन बानिया,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष गिरधारी चौधरी सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लोगों से पेड़ लगाने के लिए कार्य योजना बनाई गई। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सुनने की योजना बनाई गई। बैठक के अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मदन चौयल वरिष्ठ नेता बाल सिंह वसुनिया मंडल उपाध्यक्ष गेंदालाल राठौर रामचंद्र धनेरिया,मंडल मीडिया प्रभारी शुभम संचालन निलेश सोनी व आभार रमेश राजपूत (पार्षद) ने किया।

बाग में जीवाश्म उद्यान हेतु विकसित की जा रही विभिन्न साइट्स का किया अवलोकन

धार। मध्य प्रदेश इको टूरिज्म बोर्ड सीईओ समिता राजोरा, सीसीएफ इंदौर नरेंद्र कुमार सनोदिया, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज बाग में स्थापित हो रहे राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान हेतु विकसित की जा रही विभिन्न साइट्स का अवलोकन किया गया। साथ ही इन साइट्स पर पर्यटकों को लाने के लिए आवश्यक सुविधाएं, साइट्स को संरक्षित करने तथा साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान को आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए तथा मानचित्र में बाग क्षेत्र में करोड़ों साल पुरानी जीवाश्मों के महत्व को आम जनता पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष रुप से बीरबल साहनि इंस्टीट्यूट लखनऊ के निदेशक महेश ठक्कर एवं वैज्ञानिक शिल्पा शर्मा द्वारा सभी साइट्सस का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर डीएफओ अशोक सोलंकी धार के जीवाश्म के विशेषज्ञ विशाल वर्मा, सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला, डीएटीसीसी के प्रवीण शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समस्या से निपटने के बजाय विभाग एक-दूसरे पर फोड़ रहे ठीकरा

परेशान होकर लोगों ने लिया 181 का सहारा जल भराव से जूझ रहे लोगों का कटाक्ष, कहा घर बैठें जनप्रतिनिधि

आमला। शहर में बरसों से चल रही कई समस्याओं और लोगों की मांग के बाद भी स्थानीय प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है, तो लोग अब शासन के सहायता केंद्र 181 का सहारा लेने को मजबूर हो रहे हैं। बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में समस्याओं से जूझ रहे दर्जनों लोगों ने शासन के सहायता केंद्र 181 पर अपनी-अपनी शिकायतें दर्ज कराई है, साथ ही इलाकों में समस्याओं से जूझ रहे लोगों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाते हुए उन्हें घर बैठने की सलाह तक दे डाली है। यहां सबसे पहले खबर में हम कुछ चुनिंदा लोगों को शामिल कर रहे हैं, जो लंबे समय से बेहद जरूरी स्थानीय समस्याओं पर आवाज उठाते रहे हैं, इनमें मनोहर चौहान, अरुण मथुरिया, अमरदीप तयवाड़े कृष्ण वर्मा, सुमित महतकर, परवेज खान, सलमान खान, आलोक मित्रा,विकास गर्ग, मोहम्मद सलीम, गन्ना, विजय कुमार, दीपक डेहरिया, राहुल अतुलकर, संगीता, ममता, रीना, नितेश साहू और न जाने ऐसे कितने ही लोग हैं जो स्थानीय प्रशासन की लापरवाही

से हर साल बारिश के दौरान जल भराव, जल जमाव, और अपने मकानों दुकानों में बारिश के पानी के भर जाने से इन लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

निदान के बजाए एक दूसरे पर ठीकरा: दरअसल शहर में बीते तमाम दशकों में अब तक यही देखा गया है कि, स्थानीय लोगों को अपनी मामूली और बेहद जरूरी प्राथमिक समस्याओं के लिए यहां वहां गुहार लगाना पड़ता है, और उस पर भी शहर के तमाम विभाग कहीं नगर पालिका, कहीं पी.डब्ल्यू. डी., कहीं राजस्व, कहीं पुलिस कहीं रेलवे तो कहीं वायुसेना की हदों में उलझते विभाग अपने हाथ खड़े कर देते हैं, सवाल यही है कि आखिरकार लोग जाए तो जाए कहां। क्या साल दर साल लोग यूं ही समस्याओं से जूझते रहे या फिर यहां से लगातार होते पलायन का हिस्सा बन जाए, क्योंकि इलाके में सड़क, नाली, पानी और सफाई के तमाम मुद्दे पर स्थानीय विभाग आम लोगों की समस्या का हल करने की वजह एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ देते हैं।

गुरुवार भी शहर के इलाकों में लोगों को होती रही दिक्कतें: इधर गुरुवार को भी बारिश के बाद बस स्टैंड शनिवार बाजार, मेन रोड गर्ल्स स्कूल, पुराने थाने के पास, राम मंदिर चल बसोढ मोहल्ला, भीम नगर आदि कई इलाकों में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, जैसा कि इस मौके पर हमें व्यापारियों ने बताया है कि मेंन रोड पुराने थाने के पास नालियों की सफाई, बस स्टैंड शनिवार बाजार के पास कृष्ण वर्मा के सामने अगर यहां अतिक्रमण हटाकर महालक्ष्मी जनरल स्टोर्स के बाजू से अगर यहां रास्ता और नाली बना दी जाती है तो मुश्किलों से छुटकारा मिल सकता है, यही शनिवार बाजार में व्यवस्थित नालियों और पानी की निकासी के साधन किए जाने से भी लोगों की मुश्किलें दूर हो सकती है,यहीं पर वन विभाग और पीर मंजिल चौक में यहां सकरी पुलिया को भी बड़ी कर दिए जाने से कम से कम व्यापारिक इलाकों की समस्याएं तो दूर हो ही सकती है।

इनका कहना है

जहां-जहां दिक्कतें हैं इसकी जानकारी बुलवाई जाएगी, विभागों को भी निर्देशित किया जाएगा, इसके अलावा पानी निकासी में अगर कहीं अतिक्रमण के चलते दिक्कतें हो रही है तो इसके लिए भी सूची बनाकर ऐसे लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।

नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी जिला कलेक्टर, बैतूल

भोपाल में यौम-ए-आशूरा पर निकला मातमी जुलूस

- तकरीर में सुनाए गए करबला की जंग के किस्से; या हुसैन-या हुसैन की गूंज

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बुधवार को मोहर्रम पर जुलूस निकाला गया। इस दौरान तकरीर में करबला की जंग के बारे में बताया गया। मातमी जुलूस में या हुसैन-या हुसैन की गूंज सुनाई दी। सैकड़ों ताजिये, बुर्राक, सवारियां, इस्लामी परचम के निशानों के साथ यह जुलूस शहर के कई इलाकों से होता हुआ वीआईपी रोड स्थित करबला पहुंचा।

पहला मातमी जुलूस फतेहगढ़ से शुरू होकर मोती मस्जिद चौराहे होते हुए करबला पहुंचा। इसके अलावा चार अन्य बड़े जुलूस अलग-अलग इलाकों से होते हुए पीर गेट इलाके में पहुंचे। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की तरफ से निकाले जाने वाले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके चलते ट्रैफिक भी डायवर्ट किया गया। कई इलाकों में भारी वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहा।

चोरी के बाद मंदिर में ही सो गया चोर

- शाजापुर में मंदिर के गर्भगृह में गादी डालकर सोया, सुबह श्रद्धालुओं ने हाथ-पैर बांधे

शाजापुर (नप्र)। शाजापुर में युवक मंदिर में चोरी करने आया। कीमती सामान चुराया, लेकिन भागा नहीं। मंदिर में ही गादी बिछाकर सो गया। सुबह श्रद्धालु दर्शन करने मंदिर पहुंचे तो युवक सोता मिला। श्रद्धालुओं ने चोर के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। इसके बाद पुजारी और डायल-100 को सूचना दी। चोर को थाने ले जाया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला लालबाई-फूलबाई माता मंदिर का है। मंदिर के पुजारी मनोज राठौर ने बताया, मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे। मंदिर में कीमती सामान भी तलाशा, लेकिन ज्यादा कुछ मिला नहीं। बाकी चोर तो भाग निकले, लेकिन एक को इतनी नींद आई कि वह माता रानी के पास रखी गादी डालकर मंदिर में ही सो गया। कोतवाली पुलिस को आवेदन दिया है।

बंगाल का रहने वाला है चोर: लोगों ने पूछताछ की तो चोर ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल की सिलीगुड़ी का रहने वाला है। वह अपने दो-तीन साथियों के साथ चोरी करने मंदिर आया था। बाकी साथी चले गए, जबकि वह यहीं पर सो गया।

कांग्रेस दफ्तर के सामने राइफल लिए दिखे युवक

- दिग्विजय ने सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल; पुलिस जांच में निकले कांग्रेसी

भोपाल (नप्र)। भोपाल स्थित मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने ब्लैक कलर की दो स्कॉर्पियो से आए दो युवक हाथों में राइफल लिए दिखाई दिए। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने इस पर सवाल उठाए। पुलिस की जांच में स्कॉर्पियो कांग्रेस नेताओं की निकली। दरअसल, रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एनएसयूआई की बैठक हुई थी। जिसमें शामिल होने भिंड से एनएसयूआई और कांग्रेस के कार्यकर्ता भोपाल आए थे। उस दिन पीसीसी दफ्तर के बाहर ब्लैक कलर की दो स्कॉर्पियो खड़ी थी। इससे आए 2 युवक हाथों में राइफल लिए दिखाई दिए। बुधवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने एक ट्वीट किया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा- गंभीर घटना है। यह कौन लोग हैं? भोपाल पुलिस कमिश्नर क्या आप इस प्रकार की दहशतगर्दी या इसे गुंडागर्दी कहें भोपाल में खुलेआम होने देंगे?

पुलिस की पड़ताल में निकले कांग्रेसी: वीडियो सामने आने के बाद भोपाल पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच की। जिसमें स्कॉर्पियो कांग्रेस नेताओं की निकली। भोपाल पुलिस के जोन 1 के डीसीपी ने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा- वीडियो में दोनों स्कॉर्पियो एनएसयूआई जिलाध्यक्ष भिंड अंकित तोमर की है। पूछताछ पर दोनों राइफल अंकित तोमर और एनएसयूआई कार्यकर्ता सचिन द्विवेदी की लायसेंसी होना बताया गया है। लाइसेंस की जांच कराई जा रही है। इसके बाद वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भोपाल में हड़कंप मचा, भिंड पुलिस ने की कार्रवाई: वीडियो वायरल होने के बाद भोपाल से भिंड तक पुलिस हरकत में आई। बुधवार को भिंड पुलिस ने दोनों स्कॉर्पियो पर कार्रवाई की। भिंड एसपी के निर्देश पर भिंड पुलिस ने वीडियो में दिख रही स्कॉर्पियो के हूटर, ब्लैक फिल्म हटवाई।

राजस्व महा अभियान आज से

गंभीरता के साथ हो राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण : मुख्यमंत्री

31 अगस्त तक चलेगा महा अभियान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की सुविधा और लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिये 18 जुलाई से 31 अगस्त तक राजस्व महा अभियान - 2.0 संचालित किया जा रहा है। किसानों और आमजन की सहुलियत के लिये पटवारी और मैदानी अमला मुख्यालय पर रह कर दायित्वों का निर्वहन करेंगे। अभियान्तर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का गंभीरता के साथ समय-सीमा में निराकरण किया जाये। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने बताया कि अविवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 30 दिन में, विवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 150 दिन में किया जायेगा। बंटवारा प्रकरणों के निराकरण की समय-सीमा 90 दिन है और सीमांकन प्रकरणों को 45 दिन में निराकृत करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही नक्शे में तरमीम का कार्य सतत जारी रहेगा। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा है कि राजस्व महा अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

राजस्व महा अभियान 2.0 में 30 जून 2024 की स्थिति में लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती और सीमांकन के प्रकरणों में निरराकरण का लक्ष्य रखा गया है। इनमें नामांतरण के 75 हजार 964, बंटवारा के 9 हजार 897, अभिलेख दुरूस्ती के 9 हजार 889 और सीमांकन के 25 हजार 423 प्रकरण शामिल हैं। इसके साथ ही 30 जून 2024 की स्थिति में एक करोड़ 95 लाख 45 हजार नक्शे पर तरमीम के लंबित मामलों को भी दर्ज किया जाएगा।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण

राजस्व महा अभियान में एक अगस्त से 15 सितंबर 2024 तक फसल डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण किया जायेगा। किसानों के खेत पर जाकर फसल का फोटो खीचकर जानकारी अद्यतन करने के लिये युवाओं का चयन किया जाएगा। युवाओं का चयन कर उनको 25 जुलाई तक प्रशिक्षित किया जायेगा।

राजस्व महा अभियान में आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज करने और पूर्व आदेशों का खसरों और नक्शे में अमल सुनिश्चित किया जाएगा। राजस्व महा अभियान में निःशुल्क समग्र ईकेवायसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही स्वामित्व योजना में आबादी भूमि के सर्वेक्षण की कार्रवाई पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

वरिष्ठ राजस्व अधिकारी करेंगे मैदानी क्षेत्र का दौरा

राजस्व महा अभियान में संभागायुक्त, कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार मैदानी क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और राजस्व महा अभियान में की जा रही कार्रवाई की मॉनीटरिंग करेंगे।

5 मंजिला मल्टी का पिलर टूटा, बिल्डिंग झुकी

आधी रात 27 फ्लैट खाली कराए; लोग बोले- बाहर कटी रात, खाना भी नहीं उठा पाए

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में कल रात बड़ी घटना होने से बच गई। थाटीपुर की नेहरू कॉलोनी में बनी गोल्डन टॉवर मल्टी का एक पिलर टूट गया। बिल्डिंग एक ओर झुकने लगी तो लोग सड़क की ओर दौड़े। नगर निगम ने देर रात 1 बजे तक सभी 27 फ्लैट खाली करा लिए। मल्टी 8 साल पुरानी है। पार्किंग सहित चार मंजिला इमारत के ऊपर दो पेंट हाउस हैं। इसे बिल्डर मोहन बांदिल ने बनाया था। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि एक-दो दिन से मल्टी में कुछ आवाज आ रही थी। रात में पिलर पर नजर पड़ी तो आरसीसी के साथ लोहे के सरिए तक टूट चुके थे। मल्टी के 301 फ्लैट में दरार बताई गई। जिस जगह पिलर टूटा है, वहां जैक लगाकर बिल्डिंग को साधा गया है। निगमायुक्त आयुक्त हर्ष सिंह का कहना है कि मल्टी की जांच एमआईटीएस से कराएंगे। सिटी प्लानर ने बताया कि लेआउट को देखकर लगता है कि परमिशन से मल्टी बनी है।

बैरिकेड लगाकर पुलिस तैनात: मल्टी में कोई न जाए, इसके लिए मल्टी के दोनों तरफ बैरिकेड लगाकर पुलिस जवान तैनात कर दिए गए हैं। रात में पुलिस को तमाशबीन लोगों को भी मौके से खदेड़ना पड़ा। साथ ही मल्टी पर सूचना भी लगाई गई है कि जब तक बिल्डिंग को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं किया जाता है, वहां कोई नहीं रह सकता।

लगा कि मल्टी गिर ही जाएगी

मामला रात 11 बजे का है। पुलिस, नगर निगम, रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई थीं। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि एक समय के लिए तो ऐसा लगा कि अब मल्टी गिर ही जाएगी। अमित और अनिल गुप्ता का कहना है कि 301 फ्लैट में रहते हैं। उनके फ्लैट में दरारें आ गई हैं। इसलिए सब कुछ छोड़कर बाहर आ गए। इतना भी समय नहीं मिला कि बना हुआ खाना साथ ला पाते।

पहले चलता था स्कूल

ये मल्टी 2 भूखंड 91-92 पर बनी है। इसमें 27 परिवार रहते हैं। मल्टी के 2 पेंट हाउस बेच दिए गए। लोगों का कहना है कि पहले यहां एक निजी स्कूल चलता था। उनके मालिक ने जमीन बेच दी, तब मल्टी बनाई गई।

ये कमियां सामने आईं

निगम इंजीनियर के मुताबिक बिल्डिंग का पिलर फेल हो गया। पिलर के सरिए सही तरीके से नहीं बंधे थे। आरसीसी का इस्तेमाल ठीक से नहीं किया। मल्टी में कॉलम की संख्या भी कम है, जिससे स्थिति बनी।

क्लासरूम में सो रही थी लेडी टीचर का वीडियो हुआ वायरल

शहडोल के स्कूल में बोली- पैर में दर्द है; ग्रामीणों की शिकायत- हर दिन यही हाल रहता है

शहडोल (नप्र)। शहडोल में महिला शिक्षक के क्लासरूम में सोने का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि क्लासरूम पूरी तरह खाली है। जमीन पर दरी बिछी है, जिस पर स्टूडेंट्स के बैग और किताबें बिखरी हैं। टीचर इसी दरी पर सो रही है। मामला ब्योहारी ब्लॉक के अमहाखेरवा प्राइमरी स्कूल का है। वीडियो सोमवार का बताया जा रहा है, जिसे एक ग्रामीण ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाला है। इसके वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जांच कराने की बात कही है।

वीडियो में यह दिख रहा: वीडियो अमहाखेरवा गांव के ही रहने वाले सुरेश नाम के व्यक्ति ने मोबाइल से बनाया है। इसमें दिख रहा है कि वह पहले राशन की दुकान पर जाता है। वहां बैठे कर्मचारी से समय पूछता है। कर्मचारी के मोबाइल में दोपहर के ढाई बजे दिखते हैं। इसके बाद सुरेश स्कूल के एक कमरे की तरफ बढ़ता है। यहां जमीन पर टीचर सोई दिखती है।

मैडम बोली- पैर में दर्द है इसीलिए सोई थी: वीडियो में टीचर अपना नाम रामवती बताती है। खुद को शाला प्रमुख भी कहती है। वह सोने का कारण अपने पैर में दर्द को बताती है। इस पर युवक कहता है- आप मेडिकल लीव लेकर घर पर आराम कर सकती थीं? इस पर टीचर कहती है- इतने के लिए छुट्टी कहां मिलती है?

कभी टीचर गायब मिलते हैं, कभी सोते: प्राइमरी स्कूल अमहाखेरवा बोड्डीहा ग्राम पंचायत में आता है।

खुद को भगवान बताने वाले संतों पर लगेगा बैन

- 112 को नोटिस थमाया; महाकुंभ में नहीं मिलेगी एंट्री, अल्लाह-हू-अकबर कहने वाले चिह्नित होंगे

उज्जैन (नप्र)। खुद को भगवान बताने वाले साधु - संतों के खिलाफ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने नाराजगी जाहिर की है। उज्जैन पहुंचे रविंद्र पुरी ने कहा, आजकल ऐसा ट्रेंड चला है कि हर कोई अपने आप को उपासक-पुजारी नहीं, भगवान कह रहा है। खुद को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और राम कह रहे हैं, ऐसे संतों पर कार्रवाई होना अति आवश्यक है। प्रयागराज के कुंभ में ऐसे व्यक्तियों को भूमि नहीं दी जाएगी। तीन अखाड़ों ने अपने 112 संतों को नोटिस दिया है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 में होगा। उज्जैन में 4 साल बाद कुंभ होना है।

डॉग बाइट्स के बढ़ते मामलों पर एक्शन में सरकार

जिलों में स्कीम डेवलप कर कंट्रोल करेंगे डॉग पापुलेशन, 4 आईएएस स्टेट लेवल पर करेंगे मॉनिटरिंग

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने अब डॉग्स की आबादी कंट्रोल करने का फैसला किया है। इसको लेकर जारी आदेश में कहा है कि डॉग बाइट और डॉग्स की आबादी कंट्रोल को लेकर जिला वार योजना विकसित करने का काम किया जाएगा। जिसमें वर्तमान बजट के साथ अतिरिक्त बजट की सुविधा दी जाएगी।

इसके लिए स्टेट लेवल मॉनिटरिंग और एक्टिवेशन कमेटी भी बनेगी। जिसके लिए कई काम भी सरकार ने तय कर दिए हैं। इसमें एसीएस या प्रमुख सचिव नगरीय विकास और आवास, आयुक्त लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आयुक्त नगरीय प्रशासन और विकास विभाग तथा आयुक्त पंचायत और ग्रामीण विकास समेत चार आईएएस अधिकारी मॉनिटरिंग के लिए तैनात होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस नई व्यवस्था को लेकर जारी आदेश में कहा है कि डॉग्स को लेकर बनने वाली जिला वार योजना में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में डॉग्स की आबादी प्रबंधन का काम किया जाएगा। समिति की बैठक हर 3 माह में एक बार या जब भी जरूरत हो तो की जा सकेगी। डॉग बाइट के मामले पिछले सालों में तेजी से बढ़े हैं जिसे देखते हुए सरकार को यह फैसला करना पड़ा है। भोपाल और इंदौर में इस तरह की घटनाओं में वृद्धि होने की जानकारी सामने आई है और विधानसभा में भी यह मसला उठाया गया है।

एमपी में पांच लाख से ज्यादा डॉग बाइट के मामले: डॉग बाइट के मामलों की पड़ताल में पता चला है कि इंदौर में एक साल में 55 हजार डॉग बाइट के मामले हैं। इसकी रिपोर्ट इसी माह एक याचिका के जवाब में इंदौर नगर निगम ने हाईकोर्ट में पेश की है जिसकी सुनवाई 19 जुलाई को होनी है। इसके अलावा भोपाल में वर्ष 2022 में कुल 8124 और वर्ष 2023 में 16387 डॉग बाइट के मामले सामने आए हैं।

भोपाल में 14 दिन से 138 सिटी बसों पर 'ब्रेक'

टिकट कलेक्शन विवाद से नहीं दौड़ रही बसें; नई एजेंसी के लिए टेंडर का आज आखिरी दिन

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम और बीसीएलएल (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) के अफसर सिटी बसों का मुद्दा सुलझाने में नाकाम हो गए हैं। पिछले 14 दिन से कुल 139 सिटी बसें नहीं दौड़ी हैं। इस मामले में महापौर मालती राय तक मीटिंग कर चुकी हैं, लेकिन टिकट कलेक्शन विवाद नहीं सुलझ सका। ऐसे में अब नई एजेंसी तय की जा रही है। जिसके टेंडर की आज यानी, गुरुवार को आखिरी तारीख है। बता दें कि टिकट कलेक्शन विवाद के चलते इन बसों के पहियों पर 4 जुलाई से ही ब्रेक लगा है। इसे लेकर 9 जुलाई को महापौर राय ने अफसर और टिकट कलेक्शन करने वाली चलो एप कंपनी के जिम्मेदारों के साथ मीटिंग की थी। इस मीटिंग के बाद 10 जुलाई को बागसेवनिया स्थित डिपो से 10 बसें बाहर निकाली गई। बाकी 139 बसों का संचालन नहीं किया गया। इसके पीछे टिकट कलेक्शन और बीसीएलएल के बीच कोई सहमति नहीं बनना है। इसी बीच नई एजेंसी तय की जा रही है। बुधवार तक की स्थिति में नई एजेंसी तय नहीं हो पाई। हालांकि, इसके लिए टेंडर की प्रोसेस की जा रही है। गुरुवार को टेंडर भरने की आखिरी तारीख है।

अपने हाथों में व्यवस्था लेने की तैयारी

अफसरों ने बताया, यदि गुरुवार को टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो भी जाती है तो अगले चार से पांच दिन बाद ही काम हो सकेगा। ऐसे में ड्राइवर्स और कंडक्टर के जरिए ही निगम अपने हाथों में बसों का संचालन शुरू कर सकता है।

हर रोज 40 हजार यात्री परेशान

बता दें कि जिन रूट पर 149 बसें दौड़ती हैं। वहां एक रोज में एवरेज 40 हजार यात्री सफर करते हैं। बसों का संचालन नहीं होने से यात्री परेशान हैं।

यह है मामला: बसों के नहीं दौड़ने के पीछे टिकट कलेक्शन करने वाली एजेंसी चलो एप की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग करना है। पांच दिन तक बीसीएलएल और निगम के जिम्मेदार इस समस्या का समाधान नहीं? निकाल पाए। ऐसे में छठें दिन महापौर राय को मीटिंग करना पड़ी थी। फिर भी पूरी बसों का संचालन शुरू नहीं हो सका है।

ड्राइवर-कंडक्टर बेरोजगार हुए

इस मामले में भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक के अध्यक्ष अजीज खान ने बताया कि बसों का संचालन बंद होने से ड्राइवर और कंडक्टर बेरोजगार हो गए हैं। उनके सामने परिवार के पालन-पोषण की दिक्कतें भी खड़ी हो गई हैं। निगम को जल्द ही नतीजे पर पहुंचना चाहिए।